तिथि-बैशाख, कृष्ण, नवमी

सोना - 99,465

चांदी- 1,01,00

शेयर मार्केट- 79,408

निफ्टी- 24,125

अधिकतम -40 °c
न्यूनतम -23 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-148 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, मंगलवार 22 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस फेमिली का पीएम हाउस में हुआ जोरदार स्वागत

दिल्ली पहुंचने के बाद परिवार समेत अक्षरधाम पहुंचे जेडी वेंस

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत के चार दिवसीय दौरे पर हैं। उनका विमान आज सुबह दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। दिल्ली पहुंचने के बाद जेडी वेंस अपने परिवार के साथ अक्षरधाम पहुंचे। परिवार ने मंदिर में भारतीय कला, वास्तुकला और संस्कृति को करीब से देखा। इसके बाद शाम में जेडी वेंस परिवार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनका पहुंचा। परिवार के चारों सदस्य प्रधानमंत्री मोदी से 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम हाउस पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने वेंस का गले लगाकर स्वागत किया। इसके बाद वेंस को दोनों बेटों, एवान, और विवेक ने पीएम मोदी से मुलाकात की। वहीं उषा वेंस ने अपनी गोद में मिराबेल को ले रखा था। पीएम मोदी ने उषा वेंस से बात की और मिराबेल को दुलार किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से शेयर की गई तस्वीरों में वेंस के बच्चे बंदगला सूट और नेहरू जैकेट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि वेंस की बेटी मीराबेल ने गोल्डन फ्रॉक पहनी हुई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार के सदस्यों को पीएम हाउस का उद्यान दिखाया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी दोनों बच्चों इवान और विवेक से बातचीत कर रहे हैं। वहीं, मिराबेल मां उषा की गोद में बैठकर प्रधानमंत्री मोदी को देख रही है। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने तीनों बच्चों को मयूर पंख गिफ्ट किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी ने तीनों बच्चों को बताया कि कभी मयूर का इस्तेमाल कलम के तौर पर किया जाता था। परिवार से मुलाकात के बाद रात में प्रधानमंत्री मोदी और जेडी वेंस के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता में विदेश मंत्री एस जयशंकर और अजित डोभाल भी मौजूद थे। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देशों के बीच व्यापार, टैरिफ और भारत अमेरिका संबंधों पर महत्वपूर्ण बातचीत हुई होगी।

- **परिवार से मुलाकात के बाद रात में मोदी और जेडी वेंस के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई**

हिसाब किताब का रखना होगा पूरा ध्यान, मोदी ने अधिकारियों को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रशासनिक अधिकारियों को विकसित भारत के शिल्पकार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे नागरिक देवो भव के मंत्र के साथ गरीबों की तकलीफें दूर करने और उनके प्रति संवेदनशील बनने की नसीहत दी। सोमवार को विज्ञान भवन में सिविल सर्विस डे समारोह को संबोधित करते हुए पीएम ने उन्हें यह भी याद दिलाया कि नीति निर्धारण और प्रशासनिक तंत्र का कामकाज पुराने और कालवाह्य हो चुके तौर-तरीकों से नहीं चल सकता। उनकी सरकार उन नीतियों पर काम कर रही है जो भारत के अगले एक हजार साल के भावी पथ की रूपरेखा तय करेंगे। पीएम मोदी ने अफसरों से यह भी कहा कि अब केवल पुरानी सरकारों से तुलना करने से काम नहीं चलेगा। आपके जिले के अफसर ने पहले क्या किया था, यह महत्वपूर्ण नहीं है। आपको अपनी कसौटी खुद बनानी होगी। हिसाब-किताब का वक्त समाप्त हो चुका है। अब यह देखना है कि कितनी दूरी (2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार करने के लिए) बाकी है, उसे पाटने की नीति और रोडमैप क्या है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

मिशनरी-वामपंथी कर रहे थे जनजातीय समाज का ब्रेनवॉश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **भाजपा की सरकार आने के बाद से थारू, मुसहर, कोल, गोंड, समेत सभी जनजातियों को हर सुविधा उपलब्ध कराई गई : योगी**
- **2017 से पहले अधिकार विहीन थे जनजातीय समुदाय**

लखनऊ। जन जातियों को 2017 से पहले मतदान के अधिकार नहीं थे। राशन कार्ड और कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं थी। भाजपा की सरकार आने के बाद से थारू, मुसहर, कोल, गोंड, समेत सभी जनजातियों को हर सुविधा उपलब्ध कराई गई। यही नहीं, इससे पहले कुछ मिशनरी और वामपंथी जनजातीय समाज का ब्रेनवॉश भी किया करते थे। ये बातें लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल गोमतीनगर विस्तार ऑडिटोरियम में रविवार को श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 5.0 के कार्यकर्ता सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं।

उन्होंने कहा कि वनटांगिया के 55 गावों में कोई अधिकार नहीं थे। यह स्थिति देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रही थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में यात्राओं की एक लंबी श्रृंखला रही है। आदि शंकराचार्य ने भी शंकर दिग्विजय यात्रा के माध्यम से भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ा था। ऐसी धार्मिक यात्राएं केवल आस्था नहीं, बल्कि समाज को एकसूत्र में बांधने का माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा, उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक भारत आदिकाल से एक सांस्कृतिक इकाई रहा है और धार्मिक यात्राओं पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा सका। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में भी ऐसी ही एकता को पुनः स्थापित करने का कार्य पांच साल पहले प्रारंभ हुआ। सीएम योगी ने कहा, आपको आश्चर्य होगा कि 1947 में देश को आजादी मिली, लेकिन 2017 से पहले तक इन गांवों के लोगों को न वोटिंग का अधिकार था, न राशन कार्ड। न बिजली, न सड़क और न स्वास्थ्य की कोई सुविधा। वन विभाग और पुलिसकर्मी इनका शोषण करते थे।

उन्होंने आगे बताया कि जब 2017 में बीजेपी की सरकार आई, तब जाकर इन गांवों को राजस्व ग्राम की मान्यता मिली और धीरे-धीरे सभी योजनाएं लागू की गई। सीएम योगी ने ऐतिहासिक तथ्य साझा करते हुए बताया कि थारू जनजाति के लोग अंग्रेजों द्वारा तराई के जंगलों में बसाए गए। उन्हें कहा गया था कि जंगल में रहो, कोई वेतन नहीं मिलेगा। वे झोपड़ियों में रहे, शोषण सहा। जब आजादी मिली तब भी सरकारों ने आंखें मूंदी रखीं। सीएम ने बताया कि इन लोगों ने मतदान करना शुरू किया। 2022 और 2024 के चुनाव में भी हजारों लोग (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में दो मासूमों की गयी जान

सम्भल, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के बनियाठेर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह ट्रक को ओवरटेक करते समय एक कार की टक्कर होने से 2 बच्चों की मौत हो गई और 8 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।मिली जानकारी के मुताबिक, बनियाठेर थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रामवीर सिंह ने बताया कि आज सुबह चंदौसी-मुरादाबाद मार्ग पर एक कार और ट्रक की टक्कर में दो बच्चों आर्यंश (4) और अक्षत राय (साढ़े तीन साल) की मौत हो गई जबकि 8 लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मुरादाबाद रेफर कर दिया गया है। एसएचओ ने बताया कि दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है। पीड़ित परिवार के वीरपाल ने बताया कि आज सुबह हमारे परिजन ओमनी वैन से पतरोया गांव, चंदौसी से ताजपुर के रामपुर गांव जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

'चार हफ्ते में अगवा बच्चों का पता लगायें'

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में बच्चों की तस्करी के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि देश में बच्चों की तस्करी की हालत बिगड़ती जा रही है। एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को यह आदेश दिया है कि वे अगवा किए गए नवजात शिशुओं को ढूंढने के लिए हर संभव कोशिश करें। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से यह भी पूछा कि दिल्ली के अंदर और बाहर नवजात बच्चों को अगवा करके बेचने वाले गैंग के खिलाफ उन्होंने क्या कार्रवाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को सख्त आदेश देते हुए चार हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस बाल तस्करी में शामिल गैंग के मुखिया और अगवा किए गए बच्चों का पता लगाए और इस बारे में कोर्ट को जानकारी दे। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसे बाल तस्करी करने वाले गैंग समाज के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। बच्चों की खरीद-बिक्री बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। यह नहीं पता कि ये बच्चे कहाँ पहुँचते हैं। (शेष पृष्ठ 7 पर)

हथकरघा और वस्त्र उद्योग की 26 इकाइयों को 60 करोड़ का अनुदान

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **योगी सरकार का बड़ा फैसला, वित्तीय मदद उन इकाइयों को दी जायेगी जो उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंटिंग नीति-2017 के दायरे में आने से छूट गई थीं**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के हथकरघा, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग को वित्तीय सहायता देने का निर्णय लिया है। अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वित्तीय मदद उन इकाइयों को दी जायेगी जो उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंटिंग नीति-2017 की नीति लागू होने से निवेश कर चुकी थीं, लेकिन नीति के दायरे में आने से छूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के इस फैसले से करीब 26 औद्योगिक इकाइयों को सीधे तौर पर फायदा होगा। इन इकाइयों के लिए सरकार लगभग 60 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान करेगी, जिससे वे अपने उत्पादन को और बढ़ा सकेंगी। इसके लिए सरकार ने बकायदा शासनदेश जारी कर उन्हें योजना के दायरे में ले आने का निर्णय किया है। यह निर्णय उन इकाइयों के लिए राहत का सबब बना है, जिन्होंने नियमानुसार निवेश तो किया था, लेकिन समयसीमा या तकनीकी कारणों से नीति का लाभ नहीं पा सके थे। उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम, सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंटिंग नीति-2017 का उद्देश्य राज्य में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देना, निवेशकों कोआकर्षित करना और अधिक से अधिक रोजगार सृजन करना है। इसके तहत निवेश करने वालों को विभिन्न प्रकार के अनुदान और सुविधाएं देने का प्रावधान है। इस नीति के कारण प्रदेश में बड़ी संख्या में निवेशकों ने रुचि दिखाई और निवेश किया। हालांकि, कुछ इकाइयों ने आंशिक निवेश पहले ही कर दिया था, लेकिन वाणिज्यिक उत्पादन नीति की प्रभावी तिथि के बाद प्रारंभ किया।

ऐसे मामलों को देखते हुए सरकार ने सहानुभूति के आधार पर सकारात्मक विचार करते हुए उन्हें भी नीति के तहत पात्र मानने और यथोचित अनुदान देने का निर्णय लिया है। वे इकाइयां, जिन्होंने नीति के प्रारंभ से पहले यानी 13 जुलाई 2017 से पूर्व अपना आंशिक निवेश किया, लेकिन वाणिज्यिक उत्पादन बाद में प्रारंभ हुआ, अब उन्हें भी 2017 की नीति का लाभ दिया जाएगा।

यह निर्णय लघु, मध्यम, विस्तृत और मेगा श्रेणी की इकाइयों पर समान रूप से लागू होगा। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति मिलेगी। ऐसे उद्यमियों का उत्साह बढ़ेगा जिन्होंने पहले से अपनी पूंजी प्रदेश में लगाई है।

अनुदान मिलने से उत्पादन क्षमता में इजाफा होगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश की सिल्क, टेक्सटाइल और गारमेंटिंग इकाइयों को एक स्थायी प्रोत्साहन मिलेगा जिससे स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को भी फायदा होगा। यह निर्णय सरकार की उस नीति के अनुरूप लिया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बार-बार यह दोहराते रहे हैं कि राज्य को औद्योगिक विकास का केंद्र बनाना है। इस कदम से न केवल निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है, बल्कि सरकार की पारदर्शिता और निवेशकों के हितों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता भी सामने आई है।

भाजपा ने राहुल गांधी को देशद्रोही बताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर सोमवार को राहुल गांधी को देशद्रोही करार दिया और उन पर नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया। अमेरिका की यात्रा पर गए गांधी ने कथित तौर पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन की जीत पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग ने समझौता किया है। भाजपा के आरोप पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, आप प्रवर्तन निदेशालय की 'नेशनल हेराल्ड मामले में कार्रवाई की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईडी आपको नहीं छोड़ेगा क्योंकि एजेंसियां तथ्यों के आधार पर काम करती हैं और नेशनल हेराल्ड मामला एक खुला और बंद मामला है। आपको नहीं छोड़ा जाएगा। आप और आपकी मां को अपराध के जरिए अर्जित आय के साथ पकड़ा जाएगा और जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस (शेष पृष्ठ 7 पर)

एक करोड़ के इनामी माओवादी प्रयाग मांझी सहित आठ नक्सली ढेर

चर्चित राजनीति। एजेंसी

बोकारो। बोकारो जिला अंतर्गत ललपनिया स्थित लुगू पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों एवं पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी माओवादी कमांडर प्रयाग मांझी सहित आठ नक्सली मारे गए हैं। सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई यह मुठभेड़ दिन के 10 बजे यह रिपोर्ट लिखे जाने तक जारी है। दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।

मारे जाने वाले नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में एक की शिनाख्त भाकपा माओवादी संगठन के सेंट्रल कमेटी मेंबर प्रयाग मांझी के रूप में हुई। उस पर राज्य सरकार ने एक करोड़ का इनाम रखा था। उसे नक्सली संगठन में विवेक दा उर्फफुचना उर्फनागो मांझी उर्फ करण दा के नाम से जाना जाता था। पिछले कुछ महीनों से वह गिरिडीह की पारसनाथ पहाड़ी और आस-पास के इलाके में सक्रिय था। झारखंड के अलावा बिहार, छत्तीसगढ़ से लेकर ओडिशा में 100 से भी अधिक नक्सली वारदातों में उसका नाम आया था। अकेले गिरिडीह जिले में ही 50 से अधिक वारदातों में वह वांटेड था। वह मूल रूप से धनबाद जिले के टुंडी के दलबुढ़ा का रहने वाला था। सीआरपीएफ की ओर से सोमवार सुबह जारी बयान में चार नक्सलियों के मारे जाने की सूचना दी गई थी। अब यह संख्या आठ हो गई है। बयान में कहा गया था, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने राज्य पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में झारखंड के बोकारो जिले के ललपनिया क्षेत्र की लुगू पहाड़ियों में आज सुबह मुठभेड़ में चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। जवानों ने एक एसएलआर और (शेष पृष्ठ 7 पर)

दुबई से लौटे पति को पत्नी ने मार डाला

देवरिया, एजेंसी। यूपी के देवरिया में मेरठ के सौरभ हत्याकांड जैसी वारदात हुई। यहां दुबई से लौटे पति की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी। शव को दो टुकड़ों में काटकर ट्रॉली बैग में भर दिया। इसके बाद सूटकेस को घर से 55 किमी दूर फेंक दिया। रविवार सुबह तरकुलवा क्षेत्र में किसान ने खेत में ट्रॉली बैग देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो सूटकेस के अंदर शव मिला। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। हालांकि, पत्नी ने एक गलती कर दी थी। उसने पति को उसी ट्रॉली बैग में भरा, जिसे वह दुबई से लेकर आया था। ट्रॉली बैग में एयरपोर्ट का बार कोड लगा था। उससे शव की पहचान नौशाद अहमद (38) पुत्र मन्नू अहमद के तौर पर हुई। पुलिस नौशाद के घर मईल थाना क्षेत्र के भटौली गांव पहुंची, तो पत्नी राजिया ने पति के लापता होने की कहानी सुनाई। वह खुद जोर-जोर से रोने लगी। लेकिन, जैसे ही पुलिस ने घर के अंदर तलाशी ली तो पूरी तस्वीर साफहो गई। कई जगह खून के निशान मिले। पुलिस ने राजिया को हिरासत में ले लिया। सख्ती की गई तो वह टूट गई। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की बात कबूल कर ली। पत्नी ने बताया कि उसका भांजे रुमान के साथ संबंध है। पति उन (शेष पृष्ठ 7 पर)

सिविल सेवाओं में भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए हानिकारक

चर्चित राजनीति। एजेंसी

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि निरंतर विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सिविल सेवाएं सर्वोपरि हैं, लेकिन इसका भ्रष्टाचार संघीय राजनीति के लिए खतरनाक है।

सिविल सेवा दिवस पर जयपुर में फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए धनखड़ ने देश भर के सिविल सेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र और शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विकास की दिशा तय करते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग पार्टियां शासन करती हैं, जिससे सिविल सेवाओं की भूमिका का महत्व बढ़ जाता है। सिविल सेवकों को संघवाद का रक्षक बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें व्यवस्थित और नियम-आधारित तरीके से काम करने का संकल्प लेना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अगर सिविल सेवक राजनीतिक व्यवस्था, राजनेताओं या (शेष पृष्ठ 7 पर)

सुप्रीम कोर्ट ने सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की

अवमानना याचिका के लिए हमारी जरूरत नहीं : सुप्रीम कोर्ट

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- याचिका दायर करने के लिए कोर्ट की मंजूरी की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होगी।

याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि निशिकांत ने सीजेआई और न्यायपालिका का अपमान किया है। क्या वह निशिकांत के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर कर सकता है। इसके बाद एडवोकेट अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना की इजाजत मांगी। दरअसल, भाजपा सांसद दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाने हैं तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई पर भी विवादित टिप्पणी की थी। देश में गृह युद्ध के लिए चीफजस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि इलेक्टोरल बॉन्ड जैसे कई मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार ने जो किया है वह असंवैधानिक है। असम के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि निशिकांत दुबे और दिनेश

शर्मा की टिप्पणियां पार्टी की राय नहीं हैं, बल्कि उनके निजी विचार हैं। नड्डा ने नेताओं से ऐसे बयानों से बचने की सलाह भी दी है। कांग्रेस ने कई बार न्यायपालिका को निशाना बनाया है। उन्होंने इसके उदाहरण देते हुए कहा कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सीजेआई दीपक मिश्रा के खिलाफ बिना ठोस सबूत के महाभियोग प्रस्ताव लाया था। जस्टिस रंजन गोगोई को अयोध्या जैसे ऐतिहासिक फैसलों के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा। जस्टिस अरुण मिश्रा को उनके फैसलों को लेकर निशाना बनाया गया। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ पर भी विवादास्पद मामलों में फैसलों को लेकर सवाल उठाए गए। वहीं, न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर की राज्यपाल नियुक्ति पर कांग्रेस ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सवाल उठाए।

मुर्शिदाबाद हिंसा, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-क्या राष्ट्रपति को आदेश दें : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें? हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा था कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। वहीं, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले थे कि अदालतें (शेष पृष्ठ 7 पर)

श्रीराम जानकी मन्दिर से निकाली गई भव्य कलश यात्रा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़,रायबरेली। नगर पंचायत शिवगढ़ के पूरे पाण्डेय स्थित श्रीराम जानकी मन्दिर ठाकुरद्वारा एवं अवधेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के शुभारम्भ से पूर्व पीठाधीश्वर कष्ट हरीधाम खैरा वीरू के कथा व्यास पंडित कृष्ण कुमार शास्त्री महराज, तथा कथा की मुख्य यजमान मिथिलेश मिश्रा पत्नी स्वर्गीय रविंद्र प्रकाश मिश्रा , अंकुर मिश्रा, आंचल मिश्रा के नेतृत्व में सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे से ठाकुर द्वारा परिसर से अवसानेश्वर महादेव मन्दिर हैदराबाद बाराबंकी के लिए गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जो पुनः 5 बजे वापस ठाकुरद्वारा परिवार में आकर समाप्त हुई। कथा के पहले दिन कथा व्यास कृष्ण कुमार शास्त्री जी महराज ने श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का महत्व बताया। अंकुर मिश्रा ने बताया कि 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक कथा चलेगी। जिसमें पीठाधीश्वर कष्ट हरी धाम खैरावीरु के कथा व्यास पंडित कृष्ण कुमार शास्त्री जी महाराज अपनी अमृतमयी वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। जिसके समापन पर 28 अप्रैल दिन सोमवार को विशाल भण्डारा आयोजित किया जाएगा।

इस मौके पर धर्म प्रकाश मिश्रा, राजेंद्र प्रकाश, राकेश प्रकाश, अजय मिश्रा, अशोक कुमार, नंदकिशोर तिवारी, राकेश शुक्ला, राजकुमार शुक्ला, अरुण अवस्थी, चिंटू, योगेश, अनुज, प्रांजुल, प्रशांत, प्रियांशु,अमन, पंडित पुष्कर त्रिवेदी, अंकित शुक्ला, अनुराग शुक्ला, आशीष मिश्रा,अशोक यादव, काशीदीन यादव सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

● पूरे पाण्डेय में शुरु हुई 7 दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

पीडीए जन पंचायत में सपाइयों ने साधा बीजेपी पर निशाना

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के गणेशगंज मजरे कसना में सोमवार को पीडीए जन पंचायत आयोजित की गई जिसमें सपाइयों ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। पीडीए जन पंचायत में उपस्थित मुनेश्वर पासी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार जैसे जघन्य अपराध चरम सीमा पर हैं।

अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, वहीं प्रदेश की योगी सरकार अपराधों पर अंकुश लगाने का ढिंढोरा पीट रही है। वहीं क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुन्दर भारतीय ने कहा कि भाजपा जनता को जाति, धर्म, मजहब के नाम पर आपस में लडवाकर देश को सांप्रदायिकता की आग में झोकने का काम कर रही है। ऊन्होने कहाकि भाजपा के तानाशाही रवैए से जनता त्रस्त हो चुकी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकेगी। वहीं बछरावां ब्लॉक महा सचिव देवतादीन पासवान ने पीडीए जन पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार एवं महंगाई चरम पर है। भाजपा ने युवाओं को अच्छे दिन लाने का सपना दिखाया था, आज युवा नौकरी की बात करता है तो उस पर लाठियां बरसाई जाती हैं, आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं आखिर यह कहां का कानून है कोई हक की बात कर तो उसे दबाया जाए उस पर लाठिया बरसाई जाएं। वहीं समाजवादी पार्टी युवजन सभा के बछरावां विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश रावत ने कहाकि भाजपा शासन काल में विकास तो कहीं दिख नहीं रहा सिर्फ नाम बदलने ,फीते काटने का काम किया जा रहा है। भाजपा शासन काल में गरीब और गरीब अमीर और अमीर होता जा रहा है। इस मौके पर वीरेंद्र यादव, संतराम यादव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बैंती रजबहा में पानी न आने से सूख रही फसलें, किसानों में रोष

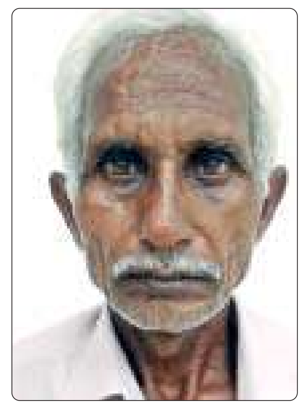

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के बैंती रजबहा में पानी न आने से उर्द, मूंग, मेंथा, खीरा, सब्जी, खरबूजा, मक्का, चरी आदि जायद की फैसले सूख रही है। जिसको लेकर किसान परेशान है। रजबहा में पानी पानी न आने से क्षेत्र के किसानों में सिंचाई विभाग के प्रति गहरा रोष व्याप्त है।

जल्द नहर में पानी ना छोड़े जाने पर आक्रोशित किसानों ने आन्दोलन की चेतावनी दी है। कृषक सुरेश कुमार, विनोद कुमार, राजेंद्र कुमार, कमल किशोर रावत, सुनील कुमार यादव आदि किसानों ने बताया कि रबी की फसल की सिंचाई के समय भी यही हाल था गेहूं, सरसों सिंचाई के समय बैंती रजबहा में पानी की जगह धूल उड़ रही थी और यही हाल अब जायद की फसल की सिंचाई के समय है। मेंथा, उर्द , मूंग की सिंचाई के समय नहर सूखी पड़ी है, सिंचाई के अभाव में फसलें सूख रही है।

क्या कहते हैं किसान : प्रगतिशील कृषक एवं समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष तथा बछरावां विधानसभा प्रभारी मुनेश्वर पासी का कहना है कि भाजपा सरकार में बुवाई के समय खाद, सिंचाई के समय नहरों में पानी का अकाल रहता है, ऐसे में कैसे किसानों की आय दूनी होगी। उन्होंने सिंचाई विभाग से बैंती रजबहा में पानी छोड़े जाने की मांग की है। कृषक मायाराम रावत का कहना कि किसान किसी तरह हिम्मत जुटाकर महंगी जड़, महंगी खाद खरीद कर एवं खून पसीना बहाकर मेंथा की खेती करता है तो सिंचाई के समय नहर से पानी नदारत रहता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामकिशोर मौर्य का कहना है कि भाजपा सरकार में ना तो किसानों को समय से खाद मिल पाती है और ना ही पानी, नहर में पानी न आने से क्षेत्र में सैकड़ों बीघे मेथा की फसल सूख रही हैं। राष्ट्रीय कल्याण मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज रावत ने सिंचाई विभाग से जल्द से जल्द नहर में पानी छोड़ने की मांग की है। कृषक सिद्धांत कुमार का कहना है कि शिवगढ़ क्षेत्र में सिंचाई का मुख्य संसाधन नहर है नहर में पानी न आने से फसलें सुख कर खाक हो रही हैं। वहीं अधिशासी अभियंता नवनीत कुमार सिंचाई विभाग हैदरगढ़ खण्ड 28, ने बताया कि नहर में 3500 क्यूसेक पानी आ रहा था। निचले क्षेत्र में जौनपुर ब्रांच, इन्होंने ब्रांच आदि ने पानी लेने से मना कर दिया था। हैदरगढ़, बहरौली में जहां बड़ी मात्रा में मेंथा की खेती होती है ऊपरी क्षेत्र में सिर्फ 200 क्यूसेक पानी की आवश्यकता है। 3300 क्यूसेक पानी बढ़ रहा था जिसकी खपत नहीं हो पा रही थी इसलिए पानी बन्द करा दिया गया था।

पानी पर्याप्त मात्रा में है समस्या से चीफ साहब को अवगत कराया गया है 2 दिनों के अन्दर डिमाण्ड भेजकर पानी मंगाया जाएगा। जिसके बाद किसानों की समस्या का समाधान हो जाएगा।

निषाद पार्टी की संवैधानिक अधिकार यात्रा पहुंची प्रयागराज, हुआ स्वागत

लखनऊ, चसं। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल निषाद पार्टी के तत्वावधान में निकली संवैधानिक अधिकार यात्रा प्रयागराज पहुँची। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के संक्लपानुसार मछुआ समाज के हक-हकूकघ् की लड़ाई के लिए मछुआ समाज के संवैधानिक अधिकार मछुआ अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराये जाने को लेकर जनपदों से यात्रा के माध्यम से मछुआ समाज की सभी उपजातियों को एकजुट किया जा रहा है। श्री निषाद ने बताया कि यात्रा 30 नवम्बर को माँ शाहकुंभरी देवी, शक्तिपीठ सहारनपुर से शुरुआत की गई थी। संवैधानिक अधिकार यात्रा को चार चरणों में संपूर्ण उत्तरप्रदेश में पहुँचने का लक्ष्य रखा गया था यात्रा अब अपने अंतिम चरण में हैं। आज प्रयागराज होते हुए प्रतापगढ़, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र और लखनऊ में यात्रा का समापन होगा।श्री निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सभी पार्टियों के इतिहास में पहली बार किसी पार्टी और निषाद नेता ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर कोई यात्रा निकाली है, आज यात्रा का जिस प्रकार से मछुआ समाज का जनसमर्थन मिल रहा है, उससे यह तो स्पष्ट है की जल्द ही मछुआ समाज अपने आरक्षण के मुद्दे पर हमारे सहयोगी दल व सत्तारूढ़ पार्टी को आरक्षण के विषय पर सोचने के लिए मजबूर जरूर करेगा। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी और भाजपा का गठबंधन आरक्षण के मुद्दे समेत मछुआ समाज के अन्य मुद्दों को लेकर हुआ था।उन्होंने कहा कि जो निषाद पार्टी और मछुआ आरक्षण को लेकर मछुआ समाज के साथ नहीं खड़ा है उससे 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी दूरी बनायेगी। निषाद पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में हंडिया, करछना और बारां सीट पर चुनाव लड़ेगी। मछुआ समाज के आरक्षण के विषय पर निषाद पार्टी का गठन हुआ था और निषाद पार्टी अपने मुद्दे पर अडिग है। मत्स्य विभाग आज जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रहा है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मत्स्य पालन क्षेत्र हेतु, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम, निषाद राज बोट योजना, प्रधानमंत्री मछुआ दुर्घटना बीमा योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष आवास, सोलर लाइट, चिकित्सा, शिक्षा, विवाह, दैवीय आपदा आदि में मछुआ समाज को लाभ दिया जा रहा है और देश में इनलैंड फिशरिज में प्रथम स्थान हासिल किया है।

अखिलेश का बीजेपी सांसद पर करारा वार वह मुंह न खोले, उसी में उसकी इज्जत है

लखनऊ, चसं। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी को मुस्लिम आयुक्त बताने वाले विवादास्पद बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिसको उसके दल ने खारिज कर दिया हो, वह संवैधानिक पदों को सुशोभित कर चुके अधिकारी के बारे में मुंह न खोले, उसी में उसकी इज्जत है। सपा प्रमुख यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर भाजपा सांसद दुबे पर संकेतों में तंज कसते हुए एक पोस्ट में कहा कि जिसको उसी के तथाकथित अपने दल ने यह कहकर खारिज कर दिया हो कि उसका विचार व्यक्तिगत है और इस लायक नहीं कि उसकी पुष्टि या समर्थन किया जाए, वह सांविधानिक पद पर सेवाएं दे चुके एक सेवानिवृत्त उच्चाधिकारी के बारे में मुंह न खोले, उसी में उसकी इज्जत है। भारत के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफटिप्पणी से विवादों में घिरने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाई. कुरैशी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि एक 'मुस्लिम आयुक्त थे। दुबे चार बार से झारखंड राज्य के गोड्डा से लोकसभा सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशिकांत दुबे और एक अन्य पार्टी सांसद द्वारा उच्चतम न्यायालय की आलोचना पर एक स्पष्ट बयान जारी किया, जिसमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को उनके व्यक्तिगत विचार बताते हुए कहा कि भाजपा हमेशा न्यायपालिका का सम्मान करती है। नड्डा ने इन सांसदों के बयान को उनका व्यक्तिगत विचार करार दिया। अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने लंबे पोस्ट में नसीहत भरे अंदाज में कहा कुछ भी कहने-लिखने से पहले भाजपाई अपनी निम्नलिखित चंद चुनावी वारदातों पर निगाह डाल लें।

केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान सहित सांसदों और विधायकों को ज्ञापन, निजीकरण वापस न हुआ तो मई में बड़ा आंदोलन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दो पखवाड़ा के अंतर्गत आज केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान सहित प्रदेश भर में अनेकों सांसदों, विधायकों और चौरी चौरा के विधायक श्रवण कुमार निषा , चिल्लू पार के विधायक राजेश त्रिपाठी , पिपराइच के विधायक महेंद्र पाल और सहजनवा के पूर्व विधायक देवेंद्र नारायण सिंह को ज्ञापन दिए गए। जन प्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया गया। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो मई के महीने में आंदोलन होगा जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार और प्रबंधन की होगी। निजीकरण के विरोध में आज लगातार 145वें दिन प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। केन्द्रीय मंत्री कमलेश पासवान को निजीकरण के विरोध में आज गोरखपुर में ज्ञापन दिया गया।

देश के सबसे युवा सांसद पुष्पेंद्र सरोज को कौशांबी में और घोसी के सांसद राजीव राय को घोसी में ज्ञापन दिया गया। फतेहपुर के विधायक चंद्रप्रकाश लोधी और ज्ञानपुर के विधायक विपुल दुबे को भी ज्ञापन दिया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न जनपदों में कई जिला पंचायत अध्यक्षों और ग्राम पंचायत अध्यक्षों को विज्ञापन दिए गए। ज्ञापन के माध्यम से सांसदों और विधायकों को सचेत किया गया है कि यदि उत्तर प्रदेश के सबसे गरीब 42 जिलों में बिजली का निजीकरण न रोका गया तो इस क्षेत्र की गरीब जनता को बिजली के तीन गुना दाम देने पड़ेंगे और यहां की गरीब जनता लालटेन युग में पहुंच जाएगी। सबसे ज्यादा दिक्कत किसानों को होगी। उत्तर प्रदेश सरकार 01 अप्रैल 2023 से किसानों को मुफ्त बिजली दे रही है लेकिन उत्तर प्रदेश में ही ग्रेटर नोएडा में काम कर रही निजी कंपनी और आगरा में काम कर रही टोरेंट कंपनी किसानों को मुक्त बिजली की सुविधा नहीं देती।आज वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, हरदुआगंज, पारीछा, ओबरा, पिपरी और अनपरा में विरोध सभा हुई। संघर्ष समिति ने आज प्रदेश भर में विरोध सभाएं कर चेतावनी दी कि यदि निजीकरण का निर्णय वापस न लिया गया तो बिजली कर्मचारियों को मजबूरन अगले माह आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा जिससे होने वाले परिणामों की सारी जिम्मेदारी सरकार और प्रबंधन की होगी।

संघर्ष समिति द्वारा दी गई नोटिस के अनुसार पूरे प्रदेश के सभी समस्त जनपदों में 01 मई को मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। 02 मई से 09 मई तक राजधानी लखनऊ में शक्ति भवन पर क्रमिक अनशन होगा । 14 मई से 19 मई तक नियमानुसार कार्य आंदोलन होगा। 20 मई को पूरे देश के कर्मचारियों के साथ विरोध प्रदर्शन होगा । 21 मई से 28 मई तक 03 घंटे का कार्य बहिष्कार होगा और 29 मई से अनिश्चितकाल कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

निर्देशकों के खिलाफ आयोग पहुंचा परिषद जांच के लिए अभिलंब गठित हो अथॉरिटी : उत्तर प्रदेश में 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार कर रही ग्रांट थ्रोनटों द्वारा झूठा शपथ पत्र दाखिल किए जाने के बाद भी उसे पर कार्यवाही न किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आज इस संबंध में उत्तर प्रदेश राज विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोक महत्व विरोध प्रस्ताव दाखिल करते हुए टेंडर मूल्यांकन कमेटी के सभी सदस्यों के खिलाफकठोर कार्यवाही किए जाने की मांग उठाई।

उन्होंने कहां इस कंसल्टेंट के किसी भी प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग आगे कार्यवाही न करने पर विचार कर एक आदेश निर्गत करें। टेंडर मूल्यांकन कमेटी में शामिल पावर कारपोरेशन के तीनों निर्देशकों निदेशक वित्त निदेशक वितरण व निदेशक आईटी सहित अन्य सदस्यों के खिलाफजो मई महीने में अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं उनके खिलाफसख्त कार्रवाई की जाए। उनके द्वारा गलत शपथ पत्र देने का किस आधार पर मूल्यांकन किया गया। इसके लिए यह सभी मूल्यांकन कमेटी के सदस्य पूर्णतया दोषी है।खुलासा हो जाने के बाद भी लीपापोती कर रहे हैं। श्री वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के सामने यह विरोध प्रस्ताव रखा की अमेरिकन रेगुलेटर पब्लिक अकाउंटिंग ओवर साइट बोर्ड द्वारा 1 साल पहले ग्रांट थ्रोनटन पर रुपया 40000 डॉलर की पेनल्टी लगाये जाने पर ग्रांट थ्रोनटन कंपनी ने झूठ बोलकर उत्तर प्रदेश में टेंडर लिया। इसके लिए टेंडर मूल्यांकन कमेटी के सभी सदस्य दोषी है। टेंडर मूल्यांकन कमेटी में तीन निदेशक है और सभी का कार्यकाल मई में पूरा हो रहा है ऐसे में भ्रष्टाचार करके यह सभी निदेशक बच जाए। उसके पहले इनके खिलाफविद्युत अधिनियम 2003 की धारा 128 के तहत भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए इन्वेस्टिगेटिंग अथॉरिटी का गठन कर जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की है। जिससे इस प्रकार का निजीकरण में जो भ्रष्टाचार सामने आया है वह भविष्य के लिए एक नजीर बने।

सोलर पैनल उपभोक्ताओं के बिलों में समायोजन का मुद्दा उठाया : सोलर पैनल के माध्यम से बिजली पैदा करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में समायोजन का मामला लेकर उपभोक्ता परिषद नियामक आयोग पहुचा है। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आयोग से मांग रखी है कि वह पावर कारपोरेश को इस सम्बंध में दिशा निर्देश जारी करने का आदेश दे।

उत्तर प्रदेश में हजारों घरों में सोलर पैनल लगाने वाले विद्युत उपभोक्ताओं के बिलों में समायोजन संबंधी अनियमित का खुलासा होने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य श्री संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल करते हुए सभी हजारों विद्युत उपभोक्ताओं को न्याय दिलाते हुए उनके द्वारा सोलर पैनल के माध्यम से जो भी यूनिट बची है उसका समायोजन तत्काल करने हेतु पावर कारपोरेशन को निर्देश जारी करने की मांग उठाई और कहा यह मामला गंभीर है इस पर विद्युत नियामक आयोग तत्काल पावर कारपोरेशन को निर्देश जारी करें। उपभोक्ता परिषद ने अपने प्रस्ताव में रखा की उत्तर प्रदेश में रूफ्टॉप सोलर इस्तेमाल करने वाले हजारों विद्युत उपभोक्ता जो वित्तीय वर्ष के अंतिम सप्ताह के बाद यानी अप्रैल में जो भी रूप टॉप सोलर विद्युत उपभोक्ताओओं के यूनिट का समायोजन होना होता है वह अप्रैल के महीने में सॉफ्टवेयर की गलती से शून्य दिखाई दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत! जांच में जुटी पुलिस

शिवगढ़ (रायबरेली), चसं। थाना क्षेत्र के निहाल खेड़ा मजरे सूरजपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत का मामला सामने आया है। निहाल खेड़ा में विवाहिता संगीता का शव छत में साड़ी के फंदे से लटकता मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना रविवार की देर रात की है संगीता का पति आशाराम अपनी बहन के यहां गेहूं की मड़ाई के लिए गया था, रात करीब 11 बजे जब वह वापस घर लौटा, तो देखा पत्नी को छत में धोती के फंदे से लटकी थी। उसने तुरन्त पत्नी संगीता को नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका के पति आशाराम ने सोमवार की सुबह पुलिस को घटना की सूचना दी। शिवगढ़ थाना इंचार्ज महेश यादव ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। मृतका संगीता की शादी 2 साल पहले हुई थी। जिसका मैका बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के दहिला गांव था। मृतका के पिता का कहना है कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार दहेज भी दिया था। उनके अनुसार बेटी को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी और वह खुश थी। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि बेटी ने ऐसा कदम क्यों उठाया।

स्टेशन पर गंदगी का अंबार पेयजल से परेशान यात्री

रायबरेली, चसं। बछरावां कस्बे में स्थित रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का अंबार है। अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। यहां पेयजल की व्यवस्था है और न बैठने का प्रबंध। यात्रियों की शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हालांकि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर चार हैंडपंपों लगाए गए हैं, लेकिन सभी खराब हैं। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर पानी टंकी की टोंटी खराब हैं। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। महिला व पुरुष शौचालयों में गंदगी की वजह लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां 20 ट्रेनों का आवागमन रहता है, जिनसे प्रतिदिन 5000 यात्री स्टेशन पर आते हैं। पीने का पानी लोगों को खरीद कर पीना पड़ रहा है। पंजाब मेल का इंतजार कर रहे वाराणसी के रामसनेही, प्रतापगढ़के सुंदर गौड़ का कहना है कि प्यास लगी तो पानी की टंकी और नल से पानी भरने के लिए गए तो पता चला कि स्टेशन पर पानी नहीं है। यहां यात्रियों को बैठने की व्यवस्था न होने से लोगों को जमीन में बैठने की मजबूरी बनी हुई है। रेलवे स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार का कहना है कि पानी टंकी का निर्माण पूरा हो गया है। जल्द ही आपूर्ति शुरू कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक दो दिन में हैंडपंपों की मरम्मत करा दी जाएगी।

बच्चों के दाखिले में न बरतें लापरवाही

रायबरेली, चसं। निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिन बच्चों का चयन हुआ है, उन्हें आवंटित विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जा रहा है। अगर चयनित बच्चों का दाखिला लेने में निजी विद्यालयों ने कोताही या फिर इन्कार किया तो कार्रवाई की जाएगी। इस बाबत चयनित बच्चों की सूची पर जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने संबंधित विद्यालयों को आदेश जारी कर दिया है। आरटीई के अंतर्गत प्राइवेट स्कूलों में तय सीटों पर प्री-प्राइमरी या कक्षा एक में चयनित बच्चों को प्रवेश दिलाया जाता है। वर्तमान शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए बच्चों के चयन की प्रक्रिया दिसंबर महीने से शुरू कर दी गई थी। चार चरणों में चयन प्रक्रिया चली। हर चरण में चयनित बच्चों की सूची आरटीई पोर्टल पर प्रदर्शित होती रही। प्रथम चरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित बच्चों के प्रवेश के लिए बीएसए ने आदेश पहले ही जारी कर दिया था। इसके बाद दूसरे, तीसरे और चौथे चरण की प्रक्रिया पूरी हुई। इन तीनों चरणों में चयनित बच्चों के दाखिले लेने के लिए बीएसए ने इसी महीने आदेश जारी किए।

नया सत्र शुरू होने से पहले चयन प्रक्रिया इसलिए पूरी करा ली गई, ताकि चयनित बच्चों की नए सत्र में पढ़ाई प्रभावित न हो और उनके दाखिले समय से करा लिए जाएं। जिन स्कूलों में आरटीई के तहत चयनित बच्चे आवंटित किए गए हैं, उन सभी विद्यालयों को बीएसए शिवेंद्र प्रताप सिंह ने पत्र भेजा है। बीएसए ने कहा है कि चयनित बच्चों का दाखिला लेने के बाद उनके संबंध में सभी प्रपत्र खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध करा दें।

कागजों पर दर्ज नहीं, पालिकाध्यक्ष के नाम बन गया मोहल्ला

रायबरेली, चसं। नगर पालिका परिषद रायबरेली में अजब का खेल चल रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पालिकाध्यक्ष के नाम से न सिर्फ नया मोहल्ला अस्तित्व में लाया गया, बल्कि 45 लाख के कार्यों के टेंडर जारी कर दिए गए। मामला संज्ञान में आने के बाद टेंडरों को निरस्त कर दिया गया है। पालिका के निर्माण विभाग के अफसरों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। शहर में नाली, खड़ंजा समेत अन्य विकास कार्यों को कराने के लिए 15वें वित्त आयोग से करीब पांच करोड़ रुपये की धनराशि शासन से मिली थी। पालिका के निर्माण विभाग की तरफ से शहर के 20 नंबर वार्ड में पालिकाध्यक्ष के नाम से शत्रुघ्न नगर मोहल्ला सृजित कर दिया। इस मोहल्ले के नाम लाखों के कार्यों का प्रस्ताव तैयार करके टेंडर जारी कर दिए गए। जबकि पालिका के रिकार्ड में कोई शत्रुघ्न नगर मोहल्ला नहीं है। सभासद सतीश मिश्रा, जय प्रकाश वर्मा, संजय श्रीवास्तव ने डीएम और प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग से इस मामले की शिकायत की। आरोप लगाया कि पालिकाध्यक्ष के इशारे पर ऐसा किया गया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने टेंडर निरस्त कर दिया। निर्माण विभाग के लिपिक, एई, जेई से स्पष्टीकरण तलब किया है।

इन कार्यों के जारी हुए थे टेंडर : वार्ड संख्या 20 के मोहल्ला शत्रुघ्न नगर में रमेश यादव के मकान से अवध पाल के मकान होते हुए नागेंद्र सिंह के मकान तक खड़ंजा व रिटर्निंगवॉल का निर्माण। महेंद्र सिंह के मकान से सुनील यादव के मकान के मकान तक खड़ंजा व नाली एवं रिटर्निंगवॉल का निर्माण कार्य। सुरेश पाल के मकान से दिलीप यादव के मकान होते हुए विनोद कुमार शुक्ला पान वाले के मकान तक नाली व रिटर्निंगवॉल का निर्माण कार्य। दिलीप अवस्थी के सामने से विजय तिवारी के मकान तक खड़ंजा व रिटर्निंगवॉल का निर्माण, इकबाल होटल के पीछे 90 मीटर न्यू सीवर पाइप लाइन डालने का कार्य। इसी तरह अन्य कार्य भी प्रस्तावित हुए थे।

प्रापर्टी डीलरों को फायदा पहुंचाने की कोशिश : फर्जी मोहल्ले के नाम पर लाखों के कार्यों के टेंडर जारी करने के पीछे प्रापर्टी डीलरों को फायदा पहुंचाना था। पर सभासदों की शिकायत पर यह खेल खुल गया। सभासदों का आरोप है कि जहां पर प्रापर्टी डीलरों ने जमीन खरीद रखी हैं, उस क्षेत्र का विकास कराया जाता है। इससे जमीनों की कीमत बढ़ जाती है। इसके एवज में प्रापर्टी डीलरों से धन की वसूली होती है। सभासदों ने उच्चाधिकारियों से जांच कराकर ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मुद्दे को सभासदों ने बोर्ड की बैठक में भी पालिकाध्यक्ष के सामने उठाया था। हालांकि इस पर पालिकाध्यक्ष ने चुप्पी साध रखी है।

शत्रुघ्न नगर मोहल्ले के नाम पर जारी हुए कार्यों के सभी टेंडर निरस्त कर दिए गए हैं। निर्माण विभाग से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों से जवाब मांगा गया है कि यह सब कैसे हो गया। जल्द नए टेंडर जारी करके विकास कार्यों को कराया जाएगा- स्वर्ण सिंह, ईओ, नगर पालिका परिषद रायबरेली।

करंट से मासूम बच्चा झुलसा, गंभीर

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव बादशाहपुर में अर्थव 4 वर्ष निवासी गेगासो करंट की चपेट में खेलते समय आ गया। जिसकी हालत गंभीर होने पर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

लापता महिला का शव मिला

रायबरेली, चसं। मिलएरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पटेल नगर निवासिनी रामदुलारी लंबे समय से लापता चल रही थी। जिसकी खोज बीन के दौरान उसका शव शारदा सहायक नहर में मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

गौशाला में मवेशी की मौत, वीडियो वायरल

रायबरेली, चसं। सतांव के कृष्णापुरताला स्थिति गौशाला है।जिस गौशाला का वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसमें मवेशी की लाशे दिखाई दे रही है। वीडियो की पुष्टि हमारा समाचार पत्र नहीं कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा मजदूरों के लिए केंद्र से उत्तर प्रदेश को 2300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्राप्त हुयी

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के मनरेगा मजदूरों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 2300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रदान की गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) भारत की सबसे महत्वपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजनाओं में से एक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को रोजगार की गारंटी प्रदान करती है। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के मनरेगा मजदूरों के लिए 2300 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि अवमुक्त की है। यह धनराशि बकाया भुगतानों को पूरा करने और समय पर मजदूरी सुनिश्चित करने में मदद करेगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों की बकाया धनराशि उनके खातों में तत्काल भेजने की कार्यवाही की जाय। केंद्र सरकार से मनरेगा श्रमिकों के भुगतान हेतु करीब 2343.80 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इससे बकायेदारी भी दूर होगी। केंद्र सरकार से यूपी मनरेगा के लिये श्रमांश मद हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली किस्त के रूप में कुल 2343.80 करोड़ रुपए केंद्र से जारी किये गये हैं। आयुक्त, ग्राम्य विकास उ0प्र0 श्री जी0एस प्रियदर्शी ने बताया कि मनरेगा योजना के लिए मांग के क्रम में केंद्र सरकार द्वारा श्रमांश मद हेतु करीब 2343.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। इस धनराशि से मनरेगा श्रमिकों के बकाये का भी भुगतान किया जाएगा।

बीफार्मा का संभावित परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ, चसं। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 की विषम सेमेस्टर के बीफार्मा के प्रथम वर्ष के पहले सेमेस्टर की परीक्षा का संभावित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। लिखित परीक्षाएं छह से नौ मई तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। वहीं, प्रयोगात्मक और प्रोजेक्ट परीक्षाएं 10 से 13 मई के बीच ऑफलाइन मोड में होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो0 दीपक नगरिया की ओर से संबद्ध संस्थानों के निदेशकों एवं प्राचार्य को पत्र जारी कर परीक्षा कार्यक्रम से संबंधित त्रुटि एवं संशोधन को 23 अप्रैल तक ईमेल के माध्यम से देने को कहा है।

हाईकोर्ट ने पूछा-राहुल गांधी भारतीय हैं या नहीं

लखनऊ, चसं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले में अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने पूछा राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं? कोर्ट ने केंद्र सरकार को 10 दिन के भीतर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। जस्टिस ए आर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव प्रथम की खंडपीठ ने सोमवार को मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने एक स्टेटस रिपोर्ट पेश की। इस पर कोर्ट ने कहा, वह सिर्फ यह जानना चाहते हैं कि राहुल गांधी नागरिक हैं या नहीं। केंद्र सरकार ने स्टेटस रिपोर्ट देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। यह मामला एस विग्नेश शिशिर की ओर से दायर जनहित याचिका पर आधारित है। अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इससे पहले लखनऊ हाईकोर्ट में 24 मार्च को सुनवाई थी। जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। सरकार ने 8 सप्ताह का समय मांगा था। इस पर 21 अप्रैल सुनवाई की तारीख तय हुई थी। वहीं, 19 दिसंबर, 2024 को भी जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) सूर्यभान पांडेय को केंद्रीय गृह मंत्रालय से जानकारी हासिल करने का निर्देश दिया था। गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट में बताया था कि उन्होंने यूके सरकार को लेटर लिखा है। यूनियन ऑफइंडिया की ओर से पेश वकील ने कहा समय दिया जाए। पूरे मामले में क्या जांच हो रही है। इसकी पूरी रिपोर्ट 8 सप्ताह में हम तैयार करके पेश करेंगे। कोर्ट ने समय दिया था।

शक्ति भवन में हुई विद्युत उपभोक्ताओं की जन सुनवाई

लखनऊ, चसं। बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन के मुख्यालय शक्ति भवन में मुख्य अभियन्ताओं को जनसुनवाई के लिये लगाया गया है। यह जनसुनवाई सोमवार से लेकर शनिवार तक प्रतिदिन 11 बजे से 1 बजे तक शक्ति भवन के मुख्य प्रवेश द्वार के लॉबी में विद्युत उपभोक्ता की समस्या सुनकर यथोचित समस्या हल कराने की कार्यवाई सुनिश्चित करते है। आज मुख्य अभियन्ता सतीश चन्द्र सिंह एवं अधीक्षण अभियन्ता राधे श्याम ने जन सुनवाई की। तीन उपभोक्ता अपनी विद्युत समस्या लेकर आये। यह हरदोई, उन्नाव एवं बलिया के थे। जिनकी समस्या को हल करने के लिये तत्काल कार्य प्रारम्भ किया गया। विद्युत उपभोक्ता अपनी समस्याओं के निदान के लिये यहाँ अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या का उचित समाधान प्राप्त कर सकता है।

शिक्षकों ने इको गार्डन में हल्ला बोला

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में सोमवार को इको गार्डेन में शिक्षकों ने प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले एकत्रित हुए शिक्षकों ने मांगों को लेकर नारेबाजी किया। प्रदर्शन में सेवा सुरक्षा की धारा 12, 18, 21 को नए आयोग में जोड़ने की मांग। प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल वर्मा, गुमान सिंह और हरि प्रकाश यादव समेत तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि लंबे समय से हम लोग अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इस भीषण गर्मी में आज प्रदेश भर से शिक्षक इको गार्डन में धरना देने पर मजबूर हैं। यूपी माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धारा 12, 18 और 21 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 से निष्प्रभावित कर दिया गया है। जिसका हमलोग विरोध कर रहे हैं। हमारी मांग है कि इन धाराओं को नए आयोग में जोड़ा जाए। प्रदेश संरक्षक डॉ. हरिप्रकाश यादव ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 निरस्त होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है। विगत डेढ़ वर्षों से सहायक अध्यापक से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति बंद है। इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 प्रभावी है। 1921 के एक्ट के तहत जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा सेवा संबंधी प्रकरणों में निर्णय दिए जा रहे हैं जबकि इस अधिनियम के अधीन निर्मित विनियम में उल्लेखित पदोन्नति के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। संगठन के पदाधिकारी ने कहा कि ये 12,18 और 21 बेहद प्रभावशाली धाराएं हैं। इन 3 धाराओं के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 में न होने से प्रदेश भर के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की सेवा पर गलत असर पड़ रहा है।

हर व्यक्ति की समस्या का होगा निदान

जनता दर्शन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सुनी जनसमस्यायें

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अलीगढ़ जाने से पहले कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय।

समस्याओं के समाधान हेतु जवाबदेही तय होनी चाहिये। जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जाए लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु दिशा निर्देश दिए।जनता दर्शन में भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न,भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन आदि से संबंधित समस्याएं विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।

जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।जनता दर्शन मे 2 दर्जन से अधिक जिलों से आये लोगों ने अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत जिलों के अधिकारियों, उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य को अर्पित किये श्रद्धासुमन : भारत को राजनीतिक रूप से एक सूत्र में पिरोने वाले, विदेशी आक्रांताओं की षड्यंत्रकारी तिरछी दृष्टि से भारत भूमि की रक्षा करने वाले, मौर्य वंश के संस्थापक, महान चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य की जयंती पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उपमुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य केवल एक सम्राट नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माण की उस चेतना के वाहक थे, जिन्होंने 'अखंड भारत' के विचार को प्रारंभ किया।

शराब की दुकानों का व्यापारियों ने विरोध किया

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में शराब की दुकानों का व्यापारियों ने विरोध किया है। सोमवार को उदयगंज स्थित डायमंड टावर के पास स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने टावर के बाहर नारेबाजी करते हुए शराब की दुकानों को तत्काल बंद कराने की मांग की। विरोध को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कानून व्यवस्था बनी रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह इलाका रिहायशी और व्यावसायिक दोनों है। ऐसे में शराब की दुकान खुलने से माहौल बिगड़ेगा। महिलाओं की सुरक्षा और बच्चों पर गलत असर पड़ेगा।

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने बताया कि दुकान का आवंटन मूल रूप से सदर क्रॉसिंग के पास हुआ था, लेकिन इसे डायमंड टावर में खोलने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि टावर में 50 से ज्यादा परिवार रहते हैं। शराब दुकान खुलने से महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कतें होंगी। शराब के नशे में लोग बवाल कर सकते हैं, जिससे बच्चों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी से मांग की कि दुकान को तुरंत बंद कराया जाए और भविष्य में ऐसी किसी दुकान को रिहायशी इलाकों में अनुमति न दी जाए।

अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे द्वारा जीआरपी हरदोई के नवनिर्मित थाना भवन का उद्घाटन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। अपर पुलिस महानिदेश रेलवे श्री प्रकाश डी. द्वारा राजकीय रेलवे पुलिस हरदोई के नवनिर्मित थाना भवन का उद्धाटन किया गया।

इस दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशान्त वर्मा , पुलिस अधीक्षक जनपद हरदोई नीरज कुमार जादौन, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे द्वितीय हृषीकेश यादव व क्षेत्राधिकारी नगर जनपद हरदोई अंकित मिश्रा उपस्थित रहे । इस दौरान एडीजी द्वारा सराहनीय कार्य हेतु उ0नि0 मो0 आरिफ , हे0का0 सतेन्द्र वर्मा व का0 अभिषेक सिंह को पुरस्कृत किया गया। नवनिर्मित थाना भवन से पूर्व थाना जीआरपी हरदोई पुराने भवन में संचालित किया जा रहा था। प्रधानमत्री जी के अमृत भारत योजना के तहत राजकीय रेलवे पुलिस हरदोई के उक्त नवनिर्मित भवन का निर्माण डीआरएम उत्तर रेलवे मुरादाबाद के निर्देशन में एवीएस इन्फास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 द्वारा किया गया ।

लोक निर्माण राज्य मंत्री ने की समीक्षा, अफसरों को दिये जरूरी निर्देश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- समय सीमा में पूर्ण किये जायें निर्माणाधीन कार्य : बृजेश
- आठ वर्षों में सेतु निगम ने बनाये 471 सेतु

लखनऊ। लोक निर्माण राज्य मंत्र बृजेश सिंह ने आज यहाँ राज्य सेतु निगम के मुख्यालय स्थित सभागार में सेतु निगम निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर से अब तक स्वीकृत कार्यो की अद्यतन स्थिति जानकारी ली और कार्यों के गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु विभिन्न स्तर पर चेकिंग के निर्देश दिए, वर्ष 2024-25 की स्वीकृत कार्ययोजना में ऐसे कार्य जो स्वीकृत न हो पाये ऐसे कार्यो को पुनः प्रेषित करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण राज्य मंत्री ने इस अवसर पर चालू कार्यो की समीक्षा की और कार्यों पर अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष व्यय की जानकारी ली और निर्देश दिया कि कतिपय परियोजनाएं लम्बे समय से गतिमान हैं उन कार्यों की प्रगति और अधिक बढ़ायी जाय, जिससे चालू कार्यो को शीघ्रतिशीघ्र पूर्ण किया जा सके और आम जनमानस को उसका तत्काल लाभ मिल सके। निर्माणाधीन कार्यो की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के संबंध में निर्देश दिया कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं, इसके लिये प्रत्येक स्तर पर नियमित अनुश्रवण कराया जाये। बृजेश सिंह ने निर्देश दिया कि जो कार्य ईपीसी पर कराये जा रहे हैं उनके अनुबंध में दिए गए माइलस्टोन के अनुसार प्रगति सुनिश्चित कराएँ, यदि माइलस्टोन के अनुसार प्रगति नहीं हो रही है तो सम्बंधित कांट्रैक्टर के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करें, इसके साथ ही संबंधित अधिकारी की लापरवाही पाए जाने पर उसकी भी जवाबदेही तय की जाय।

निर्माणाधीन कार्यो की उच्च अधिकारी नियमित समीक्षा करें। निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में धर्मवीर सिंह प्रबन्ध निदेषक सेतु निगम ने राज्य मंत्री के समक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यो की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी दी। यह भी अवगत कराया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में पिछले आठ वर्षो में सेतु निगम द्वारा 471 सेतु परियोजनाएं पूर्ण की गयी हैं, जिसमें मुख्यमंत्री एवं राज्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गत वित्तीय वर्ष में 76 परियोजनाएं पूर्ण करायी गयी हैं, जो कि अब तक का सर्वाधिक रिकार्ड है।

गत वित्तीय वर्ष का टर्न ओवर भी सर्वाधिक प्राप्त किया गया है। एमडी सेतु निगम ने लोक निर्माण राज्य मंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, प्रमुख अभियंता ग्रामीण सड़क श्रीराज, प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन एके द्विवेदी, मुख्य अभियंता सेतु रवीन्द्र सिंह तथा सेतु निगम के सभी अंचलीय अधिकारी एवं मुख्यालय के नियंत्रक नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

कपिल देव अग्रवालन ने किया क्षमता वर्धन कार्यशाला का शुभारम्भ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री लयोगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में सेवायोजित किया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में इन हुनरमंद युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने तीन दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। यह कार्यशाला सोमवार को लखनऊ के होटल सेंटरम, अंसल, सुशांत गोल्फ सिटी में दीप प्रज्ज्वलन कर प्रारंभ की गई।मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए हर क्षेत्र में अनेक संभावनाएं मौजूद हैं। दैनिक जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग बढ़ रही है, जिसे देखते हुए हर जिले में कौशल प्रशिक्षण केंद्र खोलने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने प्रशिक्षण प्रदाताओं से आह्वान किया कि वे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर युवाओं का भविष्य निर्माण करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं को प्रोत्साहित किया जाए तथा कमजोर प्रदर्शन करने वाले प्रदाताओं के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास डॉ. हरि ओम ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए युवाओं को व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने, प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक लेने और कौशल विकास मिशन तथा आईटीआई के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला विभाग के अधिकारियों, परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों प्रशिक्षण भागीदारों और अन्य कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित की गई है। कार्यशाला में आपसी संवाद के माध्यम से जमीनी स्तर की समस्याओं का समाधान खोजा जाएगा। कार्यशाला के पहले दिन आयोजित तकनीकी सत्रों में परियोजना प्रारंभ, प्रशिक्षण केंद्र संचालन, अभ्यर्थी प्रबंधन कौशल पंजी और कौशल भारत पोर्टल के माध्यम से), हेल्पडेस्क, निरीक्षण, ऑन-जॉब ट्रेनिंग, मूल्यांकन, वित्तीय प्रबंधन मॉड्यूल, नियोजन एवं प्लेसमेंट प्रबंधन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन भी इन्हीं तकनीकी सत्रों की पुनरावृत्ति कर सहभागियों को गहन जानकारी दी जाएगी। इस दौरान फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा की जाएगी और ओपन फीडबैक सत्र में सुझाव लिए जाएंगे। इसके अलावा राज्य स्तरीय नोडल टीम द्वारा वित्तीय प्रबंधन एवं प्लेसमेंट मॉड्यूल पर विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

संपूर्ण निर्वाचन मशीनरी ने मतदाता सूची को दिया अंतिम रूप

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्य संपन्न

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशन में वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण - 2025 का अंतिम प्रकाशन 7 जनवरी 2025 को सम्पन्न हुआ, जिसमें 1.6 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारियों और राजनीतिक दलों के एजेंटों द्वारा मतदाता सूची को अद्यतन करने में योगदान दिया गया।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश विनय पाठक ने बताया उत्तर प्रदेश में, 15 करोड़ से अधिक मतदाताओं के साथ, यह प्रक्रिया पारदर्शी और वैधानिक ढंग से पूरी हुई, जिसमें फार्म के निस्तारण में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय के संबंध में कोई आपत्ति या अपील दर्ज नहीं कराई गई। प्रारूप सूची जनता के लिए उपलब्ध थी और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, एक महीने की अवधि में कोई अपील नहीं आई, जो सूची की सटीकता दर्शाता है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में पारदर्शी, सहभागी और विधिसम्मत प्रक्रिया के माध्यम से निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्य संपन्न हुआ है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश, जो देश का सबसे बड़ा राज्य है और जहाँ पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 15 करोड़ से अधिक है, में पूरे राज्य से किसी एक भी व्यक्ति द्वारा आपत्ति या अपील न किया जाना यह सिद्ध करता है कि निर्वाचक नामावलियों का अद्यतन किया जाना पूर्णतः विश्वासप्रद रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, भारत की निर्वाचक नामावलियाँ विश्व में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक डेटाबेस प्रणाली हैं, जिसमें 99 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता सम्मिलित हैं। इन सूचियों को अद्यतन बनाए रखने के लिए आयोग प्रतिवर्ष अक्तूबर से दिसंबर के मध्य विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कराता है, और जनवरी के प्रथम पखवाड़े में अंतिम नामावली प्रकाशित करता है।

सामाजिक न्याय विरोधी है विपक्ष की मानसिकता : नीरज सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के बरावन खुर्द एवं बाल्दा अशरफाबाद में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन दोनों कार्यक्रमों के मुख्य वक्ता नीरज सिंह ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया और देश की वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। अपने उद्बोधन में नीरज सिंह ने निम्नलिखित तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष प्रकाश डाला-

समाजवादी पार्टी की दोहरी मानसिकता : श्री सिंह ने समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वे सामाजिक न्याय की बात तो करते हैं, पर वास्तव में जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम करते हैं। आरक्षण को धर्म के चश्मे से देखना, संविधान की मूल भावना के विपरीत है। यह बाबा साहब के सिद्धांतों का खुला अपमान है।

भारत सरकार की लाभकारी योजनाएं : उन्होंने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम स्वनिधि योजना आदि ङ्क समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने का कार्य कर रही हैं। ये योजनाएं बाबा साहब के समावेशी समाज के स्वप्न को साकार कर रही हैं।

कांग्रेस का बाबा साहब अंबेडकर विरोध : नीरज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को लंबे समय तक नजरअंदाज़ किया। पंडित नेहरू द्वारा हिंदू कोड बिल का विरोध और उसे रोकने की कोशिश इसका उदाहरण है, जिसके चलते बाबा साहब को कानून मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि पार्षद श्रीमती रीता राय,पूर्व पार्षद संतोष राय, पूर्व ज़िला अध्यक्ष रामकृष्ण लोधी, पार्षद श्रीमती रौशनी, पार्षद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र लोधी, एवं मंडल अध्यक्ष विमल चौधरी सहित समाज के प्रमुख गणमान्यजनों में अजय कन्नौजिया, राहुल वाल्मीकि, मुकुल धनुक, राजेन्द्र भारती सहित समाज के अन्य सम्माननीय जनों की उपस्थिति रही।

फुले फिल्म पर लगी रोक के विरोध में आप ने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पिछड़ा दलित वंचित शोषित समाज के लोगों को सर्वप्रथम शिक्षा देने,उनके लिए विद्यालय खोलने वाले महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी महाराज और उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले के जीवन पर बनी फिल्म को केंद्र सरकार के इशारे पर सेंसरबोर्ड द्वारा रिलीज करने से रोका गया जिसके विरोध में आम आदमी पार्टी ने सोमवार 21 अप्रैल को प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन किया ।

इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल और जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में जीपीओ हजरतगंज पर आप कार्यकर्ताओं ने ज्योतिबा फुले अमर रहें, सेंसरबोर्ड मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया । इस दौरान आप कार्यकताओं और पुलिस के बीच तीखी नोंकझोंक हुई । प्रशासन ने पुलिस बल लगाकर जिला अध्यक्ष इरम रिजवी को सुबह ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया । अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि यह सेंसरशिप केवल एक फिल्म पर नहीं, बल्कि पूरे दलित आंदोलन और सामाजिक न्याय के मूल्यों पर हमला है। जब 'कश्मीर फाइल्स' और 'केरल स्टोरी' जैसी नफरत फैलाने वाली फिल्मों को सरकार प्रचारित करती है, तब 'फूले' जैसी ऐतिहासिक, संवेदनशील और प्रेरणादायक फिल्म को रोका जाना एक सोची-समझी राजनीतिक साज़िश है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक फिल्म की नहीं, सामाजिक न्याय, इतिहास और पहचान की लड़ाई है, जिसे आम आदमी पार्टी पूरे दमखम से लड़ेगी। हम चुप नहीं रहेंगे। यह इतिहास को मिटाने की कोशिश है, और आम आदमी पार्टी इसके खिलाफ सड़क से संसद तक लड़ेगी। फुले फिल्म को रिलीज होने रोका जाना महान समाज सुधारकों की विरासत और संघर्ष को दबाने की कोशिश है, जिन्होंने देश में समानता और शिक्षा की लड़ाई लड़ी-इरम रिजवी। लखनऊ जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले और ज्योति फूले के जीवन पर आधारित बहुचर्चित फिल्म 'फूले' को सेंसर बोर्ड द्वारा 16 कट्स लगाने के बाद 11 अप्रैल को रिलीज़ होने से रोक दिया गया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। यह निर्णय उन महान समाज सुधारकों की विरासत और संघर्ष को दबाने की कोशिश है, जिन्होंने देश में समानता और शिक्षा की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी की असल सोच को उजागर करती है।

केकेसी का असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार, प्रोफेसर की परीक्षा पास कराने के नाम पर करता था ठगी

लखनऊ, चसं। यूपी एसटीएफने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा पास कराने के नाम पर ठगी करने वाले केकेसी के असिस्टेंट प्रोफेसर विपिन यादव को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी विपिन कुमार यादव अपना नाम बदलकर परीक्षा में बैठने वालों से संपर्क करता था। खुद को शिक्षा आयोग का अधिकारी बताया था। अनल यादव के नाम पर आधार कार्ड बनवा रखा था। एसटीएफके मुताबिक, विपिन यादव को चिनहट मल्हौर रोड के पास से सोमवार तड़के पकड़ा गया। जौनपुर के गुंगराबाबद शाहपुर निवासी विपिन यादव लखनऊ के गोमती इन्क्लेव अवध विहार योजना में रह रहा था।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **13.05.2025** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेगे।

1	**निविदा सूचना संख्या**	04102025 दिनांक 19.04.2025
2	**निविदा संख्या :** 02-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26	
3	**कार्य का नाम :** वरि. मण्डल इंजीनियर-VI, लखनऊ के अधिकार के क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव एवं सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के सेक्शन में TFR=15.056 TKM, CTR(S)=5.426 TKM, TRR(S)=35.392 TKM and TBR(LL)=3.600 TKM का कार्य।	
4	**अनुमानित लागत :** रु. 6,33,32,189.23	
5	**धरोहर राशि :** रु. 4,66,700.00	
6	**कार्य की समापन अवधि :** स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह।	
7	**निविदा डालने का प्रारंभ तिथि :** 29.04.2025	
8	**निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 13.05.2025, 15:00 बजे	
9	**वेबसाईट :** www.ireps.gov.in	

नोटः- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। **1171/25**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

4
हिन्दी दैनिक चर्चित राजनीति
लखनऊ, मंगलवार 22 अप्रैल, 2025
www.charchitrajnit.com

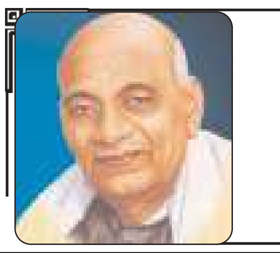

आज हमें ऊंच-नीच, अमीर-गरीब, जाति-पंथ के भेदभावों को समाप्त कर देना चाहिए तभी हम एक उन्नत देश की कल्पना कर सकते हैं, अधिकार मनुष्य को तब तक अंधा बनाए रखेंगे, जब तक मनुष्य उस अधिकार को प्राप्त करने हेतु मूल्य न चुका दे : सरदार वल्लभ भाई पटेल

संपादकीय

नशे का जाल

हिमाचल प्रदेश अपनी सुरम्य वादियों, शांत वातावरण और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में यह नशे की एक गंभीर सामाजिक चुनौती का सामना कर रहा है। पहले जहां यह समस्या कुछ सीमित इलाकों तक सिमटी थी, वहीं अब यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गहराई से जड़ें जमा चुकी है। युवाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है जिससे न केवल उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है, बल्कि सामाजिक ढांचे पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। नशे का यह फैलाव कई कारणों से हो रहा है, जिनमें बेरोजगारी, मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव, पारिवारिक विघटन और नशे के पदार्थों की आसान उपलब्धता प्रमुख हैं। स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भी अब इस चपेट में आ रहे हैं, जो चिंता का गंभीर विषय है। इसके अलावा कुछ सीमावर्ती इलाकों में नशे की तस्करी भी बढ़ रही है जिससे राज्य में नशे के अवैध व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है। आज का युवा समाज तेजी से बदलते समय और भौतिकतावाद की दौड़ में शामिल हो चुका है। रातों-रात करोड़पति बनने की चाह, कम समय में ज्यादा पैसा कमाने की लालसा और आरामदायक जीवन जीने की ललक ने कई युवाओं को गलत राह पर मोड़ दिया है। सोशल मीडिया पर दिखावे की संस्कृति ने इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा दिया है जहां लोग दिखावे के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस चकाचौंध में अनेकों अच्छे और पढ़े-लिखे परिवारों के लड? भी नशे के जाल में फंसते जा रहे हैं। उन्हें यह लगता है कि नशा केवल मौजमस्ती या स्टेटस का प्रतीक है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत बन जाती है और फिर उनका पूरा जीवन तबाह हो जाता है। पढ़ाई छूट जाती है, पारिवारिक रिश्ते बिगड़ जाते हैं और आत्मविश्वास खत्म हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों से सामाजिक संरचना भी प्रभावित होती है। सबसे दुखद बात यह है कि जब तक उन्हें अपनी गलती का एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि युवाओं को वास्तविक सफलता और खुशियों का अर्थ समझाया जाए। परिवार, स्कूल और समाज को मिलकर जागरूकता फैलानी चाहिए ताकि कोई और युवा इस अंधेरे रास्ते का शिकार न बने। कई लोग हिमाचल की वीडियो और डाक्यूमेंट्री के जरिए इसकी सादगी और शांति से प्रभावित होते हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, कुछ शरारती तत्व इस शांतिपूर्ण प्रदेश की मूल आत्मा को बिगाडऩे में लगे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि अन्य राज्यों से आने वाले कुछ पर्यटक और बाहरी लोग न केवल हिमाचल की सुंदरता का गलत लाभ उठा रहे हैं, बल्कि यहां की युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में भी धकेल रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में अवैध नशे के पदार्थों की खेती और तस्करी जैसे मामले सामने आ रहे हैं जिनमें बाहरी तत्वों की भूमिका संदेह के घेरे में है। यह देखा गया है कि कई पर्यटक भांग, चरस, गांजा इत्यादि जैसे नशीले पदार्थों की खोज में हिमाचल आते हैं और यहां के युवाओं को भी इसके सेवन के लिए प्रेरित करते हैं। इससे न केवल युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है, बल्कि प्रदेश की शांतिपूर्ण पहचान भी धूमिल हो रही है। पर्यटकों की निगरानी, नशे के विरुद्ध सख्त कानून और जन-जागरूकता अभियान जरूरी हैं, ताकि हिमाचल प्रदेश अपनी गरिमा और पहचान को बनाए रख सके। नशा आज समाज की ऐसी गंभीर और जटिल बीमारी बन चुका है, जिसे केवल किसी सरकार, संस्था या एक व्यक्ति विशेष द्वारा समाप्त नहीं किया जा सकता। समूह सहयोग जरूरी है।

देश को कमजोर करने वाली नीतियां

मतलब स्पष्ट है कि वोट बैंक की राजनीति इतनी हावी है कि अदालत के निर्णय की अवहेलना करने से भी ममता सरकार को गुरेज नहीं है। हिंसा और घोटाले ही पश्चिम बंगाल की पहचान नहीं बन चुके, बल्कि राज्य की सरकारी मशीनरी भी पूरी तरह जंग खा चुकी है। कोलकाता के आरजी अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या इसका उदाहरण है। इस मामले में अदालत ने पुलिस कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी की। देश में कानून व्यवस्था के मामले में कर्नाटक नंबर वन है जबकि पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जो पुलिस, ज्यूडिशियरी, जरूरतमंदों को कानूनी मदद मुहैया कराने, कैदियों के लिए बेहतर इंतजाम के मोर्चे पर सबसे पिछले पायदान पर खड़ा है।

सत्ता में काबिज रहने के लिए आम लोगों की जान-माल से किस हद तक खिलवाड़ किया जा सकता है, इसका मौजूदा उदाहरण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। पश्चिम बंगाल देश का ऐसा अकेला राज्य है जहां वक्फ बोर्ड के विरोध में हिंसा हुई है। वैसे देश के ज्यादातर राज्यों में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन तक नहीं हुए। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता ने हिंसा के बाद कहा है कि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं होगा। ममता बनर्जी का कहना है कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और उन्हीं से इसका जवाब मांगा जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है जब ममता ने वोट बैंक की खातिर मुस्लिम प्रेम दर्शाया है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता सरेआम मुस्लिमों की हिमायत कर चुकी हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के मामले में भी ममता ने इसी तरह के प्रेम का इजहार किया था। ममता ने कहा था कि सभी रोहिंग्या आतंकवादी नहीं हैं, जबकि केंद्र सरकार ने संकटग्रस्त समुदाय को निर्वासित करने के अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा था कि उनमें से कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़े हुए हैं। तब भी ममता ने इनकी पैरवी करते हुए कहा था कि आतंकवादियों और आम लोगों के बीच अंतर होता है। हर समुदाय में अच्छे और बुरे लोग हो सकते हैं, लेकिन एक समुदाय, एक समुदाय होता है। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह सख्त कार्रवाई करके जवाब नहीं दिया। यही वजह है कि ऐसे अराजक तत्वों के हौसले पश्चिम बंगाल में बुलंद हैं। पिछले वर्ष रामनवमी पर जुलूस के दौरान हिंसा भड़कने से करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। इस मामले में भी पश्चिम बंगाल ही सबसे आगे रहा। लखनऊ में मामूली झड़प के अलावा हिंसा की ऐसी वारदातें देश के अन्य हिस्सों में नहीं हुई।

पश्चिम बंगाल में सरकार चाहे वामपंथियों की रही हो या अब ममता बनर्जी की हो, यह राज्य हिंसा के लिए अभिशप्त हो गया है। कारण भी स्पष्ट है, सारा संघर्ष सत्ता प्राप्ति का है। देश के ज्यादातर राज्यों में जहां चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होते हैं, वहीं पश्चिम बंगाल का रिकार्ड हिंसा के कारण दागदार बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल देश का इकलौता ऐसा राज्य है जहां पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक जम कर हिंसा होती रही है। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई, जब तृणमूल ने भाजपा को हराया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद हिंसा में 12 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे

घोषित होने के एक दिन बाद 5 जून को चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में भाजपा और माकपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। दक्षिण में उत्तर 24 परगना जिले और दक्षिण 24 परगना तथा राज्य के जंगलमहल क्षेत्र के झारग्राम सहित कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा की घटनाएं सामने आई। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा बलों के जाने के बाद उपद्रवी वापस लौट आए और इलाके में तोडफोड़ की। इसी तरह 8 जून 2023 को बंगाल में जिस दिन से पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ, उसके बाद 15 लोगों की हत्या कर दी गई। वर्ष 2003 में जब यहां पंचायत चुनाव हुए थे, तब 76 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 40 से ज्यादा लोग तो वोटिंग वाले दिन मारे गए थे। वर्ष 2013 और 2018 के चुनाव के समय यहां केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई थी, बावजूद उसके हिंसा नहीं थमी थी। बीते पांच दशकों में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में करीब 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा मौतें सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलन में हुई। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर 1960 के बाद शुरू हुआ। साल 1967 में राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार आई जिसने 2011 तक करीब 34 साल तक शासन किया। कम्युनिस्ट शासन के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 28 हजार लोग मारे गए। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए नंदीग्राम और सिंगुर आंदोलन को पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस हिंसात्मक तरीके से दबाया वो कम्युनिस्ट सरकार की सत्ता के ताबूत में आखिरी कील साबित हुई और 34 साल की लेफ्ट सरकार का पतन हुआ। लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। इस राज्य में अब बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। पश्चिम बंगाल राजनीतिक और सांप्रदायिक हिंसा के लिए ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के लिए भी कुख्यात बन चुका है। जितनी बेशर्मी से भ्रष्टाचार और उस पर पर्दादारी इस राज्य में हुई है, उसकी मिसाल देश के दूसरे राज्यों में देखने को नहीं मिलती। टीएमसी के 19 नेताओं पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई चल रही है। शारदा घोटाले और नारद स्टिंग के खुलासे से तृणमूल कांग्रेस की खूब किरकिरी हुई। इसी तरह कोयला और मवेशी तस्करी, राशन घोटाले और सरकारी परियोजनाओं के लिए धन में से कट मनी लेने के आरोपों के बावजूद ममता बनर्जी के तेवरों में कमी नहीं आई। घोटालों की इस कड़ी में शिक्षा घोटाला सुर्खियों में है। चूंकि इसमें प्रदेश के हजारों बेरोजगार जुड़े हैं, इसलिए यह मामला ममता के गले की हड्डी बन गया है। अन्यथा जैसे अन्य घोटालों से ममता सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ा, उसी तरह शिक्षा घोटाले पर नहीं पड़ता। कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी के साथ 25000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी। कोर्ट का कहना है कि घोटाले की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दोषियों को निर्दोषों से अलग करना मुमकिन नहीं है। नौकरी गंवाने वाले टीचर इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए। मुख्यमंत्री ममता ने इस फैसले पर खुले तौर पर असहमति जताई। राज्य के शिक्षा मंत्री यहां तक कह गए कि अदालत के फैसले से प्रभावित सभी शिक्षकों को वेतन मिलेगा। **:: एजेंसी**

राहुल गांधी की विदेश में जहरीली जुबान

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर विदेशी धरती से भारत की संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर विवादों में आ गए हैं। अमेरिका यात्रा के दौरान बोस्टन यूनिवर्सिटी में दिए गए उनके बयान ने सियासी हलकों में एक बार फिर उबाल ला दिया है। राहुल गांधी ने भारतीय चुनाव आयोग पर समझौता करने का आरोप लगाया और कहा कि महाराष्ट्र में हुए चुनावों में धांधली हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उनके सहयोगियों को जिताने के लिए चुनाव आयोग ने पक्षपात किया।

राहुल गांधी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी देश के लोकतंत्र को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते और अब वे अमेरिका जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि उसी समय झारखंड में भी चुनाव हुए थे, और वहां कांग्रेस व सहयोगियों की सरकार बनी थी। क्या वहां भी चुनाव आयोग से कोई समझौता हुआ था? संबित पात्रा ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर नेशनल हेराल्ड केस का हवाला देते हुए कहा कि दोनों 50 हजार के मुचलके पर जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग खुद भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपी हैं, वे विदेशी धरती पर जाकर भारत को अपमानित कर रहे हैं।

पात्रा ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट के अनुसार 988 करोड़ रुपये का फर्जी डोनेशन राहुल और सोनिया गांधी की जेब में गया है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर चोर मचाए शोर की नीति अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस पूरे देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है। पात्रा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता दावा करते हैं कि कोई संपत्ति बेची या ट्रांसफर नहीं की गई, इसलिए गड़बड़ी कैसे हुई? लेकिन ईडी की चार्जशीट में साफ कहा गया है कि एजेएल (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) की संपत्तियों का उपयोग समाचार पत्र कार्यालयों के रूप में नहीं बल्कि 'अपराध की आय' के रूप में किया गया। दिल्ली के बहादुर शाहफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस, लखनऊ और भोपाल की प्राइम लोकेशन वाली संपत्तियों का हवाला देते हुए पात्रा ने कहा कि ये संपत्तियां पत्रकारिता के लिए नहीं बल्कि लाभ कमाने के लिए इस्तेमाल की गई। राहुल गांधी के विदेश में भारत के खिलाफ दिए गए बयानों की सूची लंबी होती जा रही है।

राहुल गांधी ने भारतीय चुनाव आयोग पर समझौता करने का आरोप लगाया और कहा कि महाराष्ट्र में हुए चुनावों में धांधली हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उनके सहयोगियों को जिताने के लिए चुनाव आयोग ने पक्षपात किया। राहुल गांधी के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए।

मार्च 2023 में ब्रिटेन दौरे पर उन्होंने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में लर्निंग टू लिसन इन द 21स्ट सेंचुरी विषय पर व्याख्यान देते हुए भारत में लोकतंत्र के खतरे की बात कही थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत की सभी स्वतंत्र संस्थाओं पर कब्जा कर लिया गया है और विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। उनके इस बयान पर दिल्ली में एक वकील ने उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। सितंबर 2024 में अमेरिका के टेक्सास और वॉशिंगटन डीसी दौरे के दौरान राहुल गांधी ने सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर बयान दिया था।

उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को पगड़ी और कड़ा पहनने में घबराहट होती है। इस बयान को भाजपा ने झूठा और भयावह करार दिया था। उस दौरे पर राहुल गांधी ने चीन की नीतियों की प्रशंसा भी की थी, जिसे भाजपा ने भारत विरोधी करार दिया। उन्होंने अमेरिका में भारत विरोधी छवि वाले नेताओं जैसे इल्हान उमर से भी मुलाकात की, जिस पर विवाद हुआ। जून 2023 में वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग को 'धर्मनिरपेक्ष' पार्टी बताया था।

भाजपा ने इस पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी थी और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने इसे देश के बंटवारे का बीज बोने वाला बयान बताया। इससे पहले भी, 2018 में सिंगापुर और बहरीन दौरे पर उन्होंने भारत के खानपान की स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग क्या खाएं। उस समय देश में बीफ को लेकर चल रहे विवाद के बीच यह बयान और भी ज्यादा चर्चा में आया। मई 2022 में लंदन दौरे के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय विदेश सेवा को अहंकारी बताया था। इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तीखा पलटवार करते हुए कहा था कि यह अहंकार नहीं, बल्कि आत्मविश्वास है। उन्होंने राहुल के बयान को भारतीय राजनयिक प्रतिष्ठा को कमजोर करने वाला करार दिया था। इन सभी घटनाओं को मिलाकर देखा जाए तो राहुल गांधी पर यह आरोप लगातार लगता रहा है कि वे विदेश जाकर भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि राहुल गांधी देश में नहीं बल्कि विदेश में बैठकर सियासत करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी यह भी कहती है कि भारत के लोकतंत्र की मजबूती का परिचय दुनिया को बार-बार देना पड़ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जैसे नेता विदेशी मंचों पर भारत को गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं।

भाजपा की यह भी मांग रही है कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भारत की प्रतिष्ठा को वैश्विक मंच पर नुकसान न हो। वहीं कांग्रेस का तर्क है कि वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रही है, चाहे मंच देश का हो या विदेश का। यह सियासी खींचतान फिलहाल थमने वाली नहीं लगती, खासकर तब जब देश एक और चुनावी दौर की तरफ बढ़ रहा है। **:: एजेंसी**

समय प्रबंधन और मानसिक अवसाद

एक शिक्षक होने के नाते और शैक्षिक प्रबंधन में एक लंबा अनुभव हासिल करने के बाद मैंने पाया कि टाइम मैनेजमेंट यानी समय प्रबंधन ठीक न होने के कारण मानसिक अवसाद का शिकार हो जाते हैं। इस बिंदु पर बात करना वृहद सामाजिक हित में महसूस हो रहा है। अगर आप दुनिया का इतिहास टटोलेंगे तो आपको कुछ ऐसे उदाहरण जरूर मिल जाएंगे जिन्हें प्रकृति या ईश्वर ने बहुत कम समय

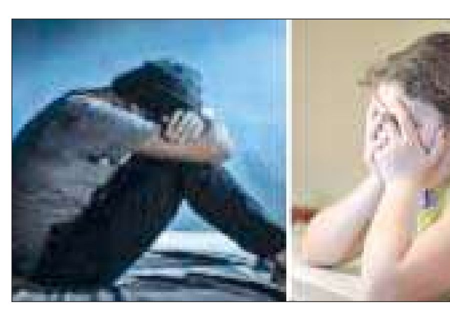

दिया, किंतु उसके बावजूद उन्होंने कुछ ऐसा कर दिखाया जो बाकी लोग उनकी तुलना में पर्याप्त समय होने के बाद भी नहीं कर सके। शहीद भगत सिंह जी 23 वर्ष की उम्र में कई गहरी किताबें लिखकर देश के लिए अपनी जिंदगी कुर्बान कर गए, जबकि अधिकांश नौजवान इस उम्र तक यह भी तय नहीं कर पाते कि उनको जीवन में क्या करना है।

शंकराचार्य जी को सिर्फ 32 वर्षों का जीवन मिला, किंतु वे उसी अवधि में अद्वैत वेदांत की ऐसी व्याख्या कर गए जिसे खारिज करने में बाकी दार्शनिक खुद को आज तक असमर्थ पाते हैं। पश्चिम के प्रसिद्ध रोमांटिक कवि कीट्स को सिर्फ 25 साल की जिंदगी मिली तो शेली को सिर्फ 29 साल की, पर तब भी अंग्रेजी की रोमांटिक कविता में जितना सम्मान इन कवियों को मिलता है, उतना पूरी शताब्दी जीने वालों को भी नहीं। सार यह है कि कुछ बड़ा करने के लिए बहुत लंबी जिंदगी की जरूरत नहीं होती, जिंदगी के एक-एक क्षण को ठीक से जीने और निचोड़ लेने की जरूरत होती है। ऐसे और भी हजारों उदाहरण हैं। मैं कुछ ऐसे विद्यार्थियों को जानता हूं जिन्होंने कोई नौकरी करते हुए सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और इसके बावजूद सफलता हासिल की, जबकि दूसरी ओर ऐसे हजारों उम्मीदवार हैं जिन्हें उनके घर से बेहतरीन सुविधाएं मिलती हैं, बिना किसी तनाव के 24 घंटे पढने् का मौका मिलता है, लेकिन तब भी उनकी सफलता दर उन लोगों से कम दिखती है जो नौकरी करते हुए तैयारी कर रहे थे। इसका प्रमुख कारण यह है कि नौकरी करने वाले व्यक्तियों को एक-एक क्षण की कीमत का एहसास होता है। कई लोगों के साथ यह परेशानी होती है कि वे कुछ काम करने की सोचते हैं, दिन के खत्म होने तक वो बहुत से काम करते हैं, लेकिन वो काम नहीं कर पाते हैं जिसके बारे में वे सोचकर रखते हैं। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ही टाइम मैनेजमेंट का न होना है। टाइम मैनेजमेंट आपको कई चीजें सिखाता है और आपके लिए कई चीजें आसान भी बना देता है। हमारे पास सीमित समय ही होता है, जिसमें से हमें यह पता होना चाहिए कि कौनसा काम प्रोडक्टिव है और कौनसा नहीं। आपको वो काम करना सबसे जरूरी है जिसको करने के बाद आपके अंदर कुछ प्रोडक्टिविटी आए। समय प्रबंधन करना भी एक व्यक्ति का कौशल हो सकता है। यदि आप टाइम मैनेजमेंट के गुण में महारत हासिल कर लेते हैं, तो आपको फिर कभी ऐसा महसूस नहीं होगा कि आपका समय 'सीमित' है। आपको ऐसा महसूस होगा जैसे सब कुछ ठीक हो रहा है, आपके पास एक दिन में अपनी जरूरत की हर चीज को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय है। समय प्रबंधन को आम तौर पर गतिविधियों को व्यवस्थित करने, प्राथमिकता देने और योजना बनाने की प्रक्रिया को कहा जाता है। इसका मतलब सिर्फ काम पर आपकी परियोजनाएं ही नहीं हैं, बल्कि आपके व्यक्तिगत जीवन में भी टाइम मैनेजमेंट जरूरी है। जिस तरह से आप अपने घर का प्रबंधन करते हैं, उससे लेकर अपने व्यक्तिगत विकास और रचनात्मक शौक तक सब जगह टाइम मैनेजमेंट जरूरी है। वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा छात्रों के एक समूह पर किए गए 2014 के एक अध्ययन से पता चला है कि आप अपना समय कैसे व्यतीत करते हैं, इसे नियंत्रित करने से कथित तनाव और चिंता को कम करने में मदद मिलती है।

52वें सीजेआई गवई लेंगे 14 मई को शपथ

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम आजकल एक हर की जुबान पर चढ़ा हुआ है। वह मोदी सरकार द्वारा वक्फ कानून में किये गये बदलाव पर सुनवाई कर रहे हैं। शुरूआती दो दिन की सुनवाई के दौरान जस्टिस खन्ना ने जिस तरह से विधायिका में बनाये गये कानून के खिलाफ सख्त टिप्पणी की उसके बाद उनके ऊपर कई नेता और न्यायविद हमलावर हैं।

आम जनता भी सवाल खड़े कर रही है, कहा यह भी जा रहा है कि जस्टिस खन्ना मामले की सुनवाई में काफी तेजी दिखा रहे हैं, इसकी वजह में जाकर देखा जाये तो पता चलता है कि खन्ना 13 मई को रिटायर्ड हो रहे हैं। शायद वह अपने रिटायर्डमेंट से पूर्व इस केस को किसी अंजाम तक पहुंचा देना चाहते हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनके सेवानिवृत होने के बाद अगले चीफ जस्टिस यह मुकदमा सुनेंगे। अलगे मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायविद भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई को 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करना है। करीब सवा छह महीने यानी 23 नवंबर 2025 तक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस गवई अपनी जिम्मेदारी निभायेंगे। जस्टिस गवई अनुसूचित जाति से आते हैं। इससे पूर्व जस्टिस केजी बालकृष्ण 2007 से 2010 तक मुख्य न्यायाधीश रहे थे। बालकृष्ण भी दलित समाज से ताल्लुक रखते थे। अभी तक दलित समाज से सिर्फ दो ही मुख्य न्यायाधीश बने हैं। बहरहाल, अपने न्यायिक कार्यों का संपादन करने के दौरान

सुप्रीम कोर्ट में गवई के कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय से जुड़े मामलों में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों में मजबूत टिप्पणी की, जहां नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो या समाज के हाशिए पर रह रहे वर्गों को न्याय नहीं मिल पा रहा हो। उनकी भाषा में सादगी होती है।

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में उभर कर सामने आए हैं, जिनकी यात्रा साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर सर्वोच्च न्यायालय के शीर्ष पद तक पहुँचने वाली है। उनकी कहानी न केवल प्रेरणादायक है बल्कि भारतीय लोकतंत्र में सामाजिक न्याय और समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी है। जब वे 14 मई 2025 को भारत के 52 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे, तब वे दलित समुदाय से आने वाले केवल दूसरे व्यक्ति होंगे जो इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचेंगे। भूषण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हुआ था। उनके पिता रावसाहेब गवई एक प्रमुख राजनीतिज्ञ थे और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित थे। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े भूषण गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और 1985 में बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने प्रमुख अधिवक्ता और न्यायाधीश राम रेड्डी के अधीन अभ्यास किया, जिससे उन्हें न्याय की गहराई और संवैधानिक मूल्य समझने का अवसर मिला। गवई को वकालत में सफलता के बाद, 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अगले 16 वर्षों तक उन्होंने इस पद पर रहते हुए असंख्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी न्यायिक दृष्टि में न केवल कानूनी बारीकियों की गहरी समझ थी, बल्कि सामाजिक संदर्भों का भी विशेष स्थान था। वे हमेशा इस बात के पक्षधर रहे कि न्याय केवल कानून की किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। 2019 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए व्यक्तिगत सम्मान थी, बल्कि एक संकेत भी था कि भारतीय न्यायपालिका में विविधता और प्रतिनिधित्व का महत्व बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में रहते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक और संवेदनशील मामलों की सुनवाई में भाग लिया। इनमें 2016 की नोटबंदी की संवैधानिक वैधता, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, और चुनावी बांड योजना शामिल हैं। नोटबंदी के मामले में वे बहुमत की उस राय का हिस्सा रहे, जिसने सरकार के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने यह तर्क दिया कि इस निर्णय की प्रक्रिया में भारतीय रिजर्व बैंक को विश्वास में लिया गया था और इसीलिए इसे असंवैधानिक नहीं माना जा सकता। हाल ही में जब चुनावी बांड योजना पर फैसला देने वाली पीठ का गठन हुआ, तो जस्टिस गवई ने खुद को उस पीठ से अलग कर लिया। यह फैसला दर्शाता है कि वे न्यायिक नैतिकता और निष्पक्षता को कितनी गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्हें उस मामले में बैठना उचित नहीं लगेगा, जिससे हितों के टकराव की आशंका हो। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेषः- आपकी महत्वाकांक्षाएं सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

वृषभः- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए संवेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः- परम्पराओं व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईर्ष्या भाव ठीक नहीं। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने में असमर्थ होगा।

कर्कः- किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत-प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्याः- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईश्वरीय आस्था हर परीस्थिती पर विजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुलाः- घर-परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धों में सुधार होगा।

वृश्चिकः- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका-चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनुः- परिजनों व मित्रों का सानिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आलस्य ना करे।

मकरः- कुछ नये संबंध बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुम्भः- मन को खराब विचारों से दूर रखते हुए अच्छे कार्यों में केन्द्रित करें। नई स्थितियां आप में नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीनः- अपनी वाणी पर नियंत्रण रखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

राशि रत्न

कांग्रेस की सत्ता लोलुपता ने देश को पहुंचाया बड़ा नुकसान : नितिन

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' होने से समय और धनहानि से बचत होगी : अविनाश मिश्रा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा को सर्व समाज तक पहुंचाने और विषय के प्रति समर्थन जुटाने के उद्देश्य से 156 विधान सभा के एक सभागार में प्रबुद्ध वर्ग समागम का आयोजन प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अविनाश मिश्र के संयोजकत्व में हुआ। इसके आयोजक नारायण सेवा समूह के प्रियम मिश्रा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल उपस्थित रहे,साथ ही बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्धजन, व्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, चिकित्सक व बुद्धिजीवी वर्ग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि पहले देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुआ करते थे, लेकिन बाद में कांग्रेस की सत्ता लोलुपता ने संविधान के अनुच्छेदों को तोड़ मरोड़कर इस प्रणाली को खंडित कर दिया। कहा, यह विषय केवल किसी एक सत्ताधारी दल का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में उठाया गया आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इसके लाभ से देश आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसित होगा। एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए पूरे देश में सहमति बनानी पड़ेगी, इस सहमति को बनाने में प्रबुद्ध वर्ग को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि अलग अलग समय पर चुनाव होने से शासन को भारी राजस्व का भार सहन करना पड़ता है और बार बार लगने वाली आचार संहिता के कारण विकास कार्य बाधित होते हैं। एक साथ चुनाव कराने से राजनीतिक दलों के चुनाव खर्च में व्यापक कमी आ सकती है, जिससे बार-बार धन जुटाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इससे आम लोगों और व्यापारिक समुदाय पर बार-बार चुनावी चंदा देने

का दबाव भी कम हो जाएगा। कहा कि, एक साथ चुनाव होने से संसाधनों की बचत होगी और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक सशक्त बनेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1951-52 में जब लोकसभा के प्रथम चुनाव आयोजित हुए तो इसमें 53 राजनीतिक दलों और लगभग 1874 प्रत्याशियों ने भाग लिया तथा चुनाव का व्यय मात्र 11 करोड़ रुपए रहा। जबकि एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार 2019 के आम चुनाव में लगभग 60,000 करोड़ रुपए खर्च हुए। इस खर्च में पंचायती, नगर पालिका, सहकारी समिति आदि के चुनाव खर्च शामिल नहीं है। आर्थिक दृष्टिकोण से चिंतनीय विषय है। प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के अविनाश मिश्रा ने चुनावी खर्चों के आंकड़ों को पेश करते हुए कहा, यदि एक बार में सारे चुनाव हो जाए तो समय और पैसा दोनों देश और समाज के उत्थान में सदुपयोग हो सकेगा। बुद्धिजीवी वर्ग से डॉ जे के वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामौतार शुक्ल एवं व्यापारी नेता कमलेश गुप्ता ने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का संचालन आईटी संयोजक सौरभ सिंह और राम प्रकाश शुक्ला ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई,सुख सागर मिश्र मधुर,धर्मराज सिंह पन्ने, डॉ जे के वर्मा,डॉ सी पी कटियार, डॉ अजय सिंह,डॉ नवीन सक्सेना, डॉ ए पी सिंह, डॉ अमरजीत आजमानी,डॉ तिरुपति आनंद, रीना गुप्ता,विनिमा सिंह, डॉ सौरभ दयाल,अनुराधा मिश्र, अविनाश मिश्रा,संजय शोभना सिंह, सुहाना जैन,परीशा तिवारी, रीना गुप्ता,अंकित पांडे, शुभम् लोहिया, पंकज सिंह, प्रियम मिश्रा, रानू गुप्ता,अमित त्रिवेदी रानू, मुनि मिश्र, आशीष शुक्ला, अनुराग श्रीवास्तव, मोंटी बाबू, त्रिलोकी सिंह, आदर्श पांडे, अंकित दीक्षित, समेत कई प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

आर्य कन्या महाविद्यालय और संडीला ब्लॉक सभागार में हुई एक राष्ट्र, एक चुनाव पर परिचर्चा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। आर्यकन्या महाविद्यालय में भाजपा एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधी विषयक महिला गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती अलका गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा ने संबोधित किया। आर्यकन्या कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती सुमन वर्मा द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई।तथा कुशल संचालन डॉक्टर अंजू श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती गुप्ता ने कहा, एक साथ चुनाव कराने से मतदाताओं के लिए सुविधा और आसानी सुनिश्चित होती है, मतदाता थकान से बचते हैं, तथा मतदान प्रतिशत में वृद्धि होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव से नीतियों में अधिक निश्चितता आएगी बार-बार चुनाव होने से अनिश्चितता का माहौल बनता है और इससे नीतिगत निर्णय प्रभावित हो सकते हैं।

एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनावों के दौरान अक्सर होने वाली सामाजिक असामंजस्यता और संघर्ष में कमी आएगी, क्योंकि चुनाव हर पांच साल में एक बार होते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण विद्यार्थी,महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष मधुबाला, जिला मीडिया प्रभारी कविता टंडन ,जिला

कार्यकारिणी सदस्य सुमन सिंह आदि अन्य उपस्थित रहे। इसी क्रम में ब्लॉक सभागार संडीला में आयोजित सर्राफ व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि सांसद अशोक रावत, विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने व्यापारियों को संबोधित किया। सांसद अशोक रावत ने बताया, एक राष्ट्र एक चुनाव से हमारा लोकतंत्र सशक्त होगा व समय,संसाधन,धन की बचत होगी एक साथ चुनाव होने से हमारे विकास कार्यों में तेजी आएगी। अशोक अग्रवाल ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा 1947 में आजादी के बाद भारत में 1951-52, 1957,1962 और 1967 में देश में चार बार एक साथ चुनाव हुए। मंच का संचालन भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला ने किया। सम्मेलन की अध्यक्षता सर्राफ व्यापारी समिति के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश गुप्ता ने की। इस अवसर पर अमित गुप्ता, अभय गुप्ता, अजय द्विवेदी,नन्हेलाल व समस्त व्यापारी गण उपस्थित रहे।

पति सहित छह लोगों पर दर्ज कराई दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। पिहानी थाना क्षेत्र के ग्राम अंबारी निवासी विवाहिता ने कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के ग्राम कौढ़ा निवासी पति सहित छह लोगों के विरुद्ध पिहानी कोतवाली में दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।विवाहिता अर्चिता गुप्ता पुत्री शिवसरन लाल गुप्ता के अनुसार उसका विवाह 24 नवंबर 23 को कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के ग्राम कौढ़ा निवासी जावेंद्र गुप्ता के पुत्र सचिन गुप्ता के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुआ था।उसके पिता ने पांच लाख की नगदी और सारा दहेज का सामान दिया था।विवाह के कुछ दिन बाद से ही अतिरिक्त दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और दो लाख रूपये नगद की मांग को लेकर पति,ससुर,ननद पूजा, कल्पना,पारुल और सास मिथलेश आए दिन उसे प्रताड़ित करने लगे।चार माह पूर्व विपक्षी दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर उसे अंबारी पिता के गांव के बाहर छोड़ गए थे।19 अप्रैल को सभी विपक्षी बोलेनो कार संख्या यूपी 30 बीएस 9984 से उसके पिता के घर आए और घर में घुसकर उसके साथ मारपीट करने लगे।उसकी मां गुड्डी देवी भाई अनिल ने बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीटा और बिना अतिरिक्त दहेज के वापस ससुराल आने पर जान से मार डालने की धमकी दी।विवाहिता की तहरीर के आधार पर पिहानी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका अहम : सुनील कुमार

- प्राथमिक विद्यालय बमटापुर खास में शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। विकासखंड सांडी के प्राथमिक विद्यालय बमटापुर खास में सोमवार को शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोस्त्व कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने दीप प्रज्जवलन व मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका अहम है।

अभिभावक भी शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चों की प्रतिभा को निखारने का काम करें।वार्षिकोत्सव में वार्षिक परीक्षा में प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कक्षा एक में नवीन नामांकन करने वाले बच्चों को भी पुस्तक देकर पढाई के प्रति प्रेरित किया गया। पांचवी कक्षा उत्तीर्ण कर चुके बच्चों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सलोनी, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली अंजलि व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नीतू को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों व उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया।संचालन अजीत शुक्ल ने किया। इस अवसर पर पूर्व ए आर पी अभय यादव, शैलेंद्र कुमार,विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष महेश कुमार, प्रधानाध्यापिका नीलम देवी शिक्षक ज्ञानेंद्र कुमार, प्रान्जुल तिवारी, आदर्श यादव, अवधेश कुमार,धमेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रदेश महासचिव के जी गुप्ता का हुआ भव्य स्वागत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। ग्रामीण पत्रकारिता के सशक्त स्वर और संगठनात्मक मजबूती के प्रतीक डॉ. कृष्ण गोपाल गुप्ता का भव्य स्वागत समारोह हरदोई में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। डॉ. गुप्ता एक बार पुनः ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री पद पर निर्वाचित होकर लौटे हैं। इस अवसर पर पत्रकारों ने उन्हें सम्मानित कर उनके नेतृत्व और संगठन के प्रति योगदान को सराहा।

यह गरिमामयी आयोजन मंगली पुरवा फाटक स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ, जिसमें जनपद भर से बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने की, जिन्होंने संचालन की भी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मंच पर विशेष रूप से संगठन के मंडल अध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश प्रभारी अतुल कपूर, वरिष्ठ पत्रकार अभय शंकर गौड़, विजय पांडे, शिवप्रकाश त्रिवेदी, नव मनोनीत सदर तहसील अध्यक्ष सुशांत सिंह सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहे।अपने संबोधन में डॉ. कृष्ण गोपाल गुप्ता ने पत्रकार साथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन पत्रकारों की समस्याओं को न केवल उठाता है बल्कि समाधान की दिशा में भी सक्रिय रहता है। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया और कहा कि पत्रकारों के हितों की रक्षा तथा उनकी आवाज़ को बुलंद करने के लिए संगठन की भूमिका पहले से अधिक प्रभावशाली होगी। उन्होंने नव नियुक्त तहसील अध्यक्ष सुशांत सिंह तथा युग दृष्टि समाचार पत्र

के संपादक गंगा शंकर दीक्षित को तहसील महासचिव बनने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में जिलेभर से आए पत्रकारों की उपस्थिति ने एकता और संगठनात्मक शक्ति का परिचय दिया। उपस्थित गणमान्य पत्रकारों में सवायजपुर तहसील अध्यक्ष विकास मिश्रा, हरपालपुर ब्लॉक अध्यक्ष आलोक सिंह, प्रशांत तिवारी, हिमांशु श्रीवास्तव, वीरेश कुमार श्रीवास्तव, रितेश मिश्रा, आकाश शुक्ला, कमलेंद्र सिंह, अजय वीर सिंह, पीके सूरी, बघौली ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, धनपाल सिंह, मोहित कुमार त्रिपाठी, उमाकांत गुप्ता, विशाल सिंह और मुकेश सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस सफल आयोजन में जिला महासचिव रजनीश सिंह, मंडल सचिव संजय सिंह तथा जिला मंत्री नवल किशोर की अहम भूमिका रही। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाई और आपसी समन्वय का परिचय दिया। वरिष्ठ पत्रकार अभय शंकर गौड़, विजय पांडे और शिवप्रकाश त्रिवेदी ने संगठन की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। श्री त्रिवेदी ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का प्रत्येक आयोजन पत्रकारों के आत्मगौरव और एकजुटता का प्रतीक है।मंडल अध्यक्ष अतुल कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए यह संगठन निरंतर संघर्ष कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि संगठन अब तक उत्तर प्रदेश सहित 10 राज्यों में सक्रिय है और उन्हें कर्नाटक का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है, जहाँ संगठन को मजबूती से स्थापित किया जा चुका है। यह अभिनंदन समारोह केवल एक स्वागत कार्यक्रम नहीं बल्कि ग्रामीण पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता, एकता और संघर्ष के संकल्प का सजीव प्रमाण था।

संक्षिप्त समाचार

बागपत के सरूरपुर कला गांव के 36 युवा बने पुलिसकर्मी एसपी हरदोई नीरज जादौन ने किया सम्मानित

हरदोई, चसं। सरूरपुर कला गांव ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। गांव के 36 युवाओं का यूपी पुलिस में चयन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरदोई एसपी और बागपत के पूर्व एसपी नीरज जादौन पहुंचे, जिन्होंने चयनित युवाओं को सम्मानित किया और गांव में एक नई लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया। गौरतलब है कि नीरज जादौन ने बागपत में अपनी तैनाती के दौरान इस गांव में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया था। उनके प्रयासों का असर अब परिणामों में दिख रहा है। समारोह के दौरान उन्होंने युवाओं को कड़ी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच को अपनी ताकत बनाने का संदेश दिया।

जल निगम की लापरवाही को लेकर सभासद हुए लामबंद

हरदोई, चसं। जल निगम नगरीय द्वारा छूटे हुए कार्यों को लेकर सभासद लामबंद हुए और अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि पुरानी जर्जर पाइपलाइन लाइनों में ही कनेक्शन कर दिए गए हैं और बिना सर्वे के नई प्लाटिंग में पाइपलाइन डाल दी गई। हर जगह खोदे गए गड्ढे आज तक नहीं भरे गए। हर मोहल्ले में पानी को लेकर महिलाओं में भी आक्रोश देखने को मिला ,जिसको लेकर ईओ अमित कुमार सिंह ने कहा, हर संभव कोशिश कर जल्द ही जल निगम को सुधार करने को कहा तथा मोहल्ला मुरीदखानी में नाला निर्माण को लेकर सभासदों में आक्रोश है।

तीन युवतियां लापता, आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

हरदोई, चसं। जनपद के अलग अलग थाना क्षेत्रों से तीन युवतियों के लापता होने के मामले में संबंधित थाना पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवतियों की तलाश शुरू की है।पिहानी थाना क्षेत्र निवासी पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 20 वर्षीय पुत्री चैत्र नवरात्रि में पिहानी थाना क्षेत्र निवासी अपनी नानी के घर गई थी तब से वहीं रह रही थी।15 अप्रैल को शाम 4 बजे लखीमपुर जनपद के पसगवां थाना क्षेत्र के ग्राम डंडेल निवासी कालीचरण का पुत्र अंकित उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया।मल्लावां थाना क्षेत्र निवासी युवती की मां के अनुसार उसकी 18 वर्षीय पुत्री को माधौगंज थाना क्षेत्र के ग्राम नेवली सरैयां निवासी अनिल पुत्र मोतीलाल 17 अप्रैल की शाम को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है।कोतवाली शहर थाना क्षेत्र निवासी युवती की मां के अनुसार उसकी 18 वर्षीय पुत्री 13 अप्रैल को घर से बिना किसी को बताए कहीं लापता हो गई है।युवतियों के लापता होने के मामले में परिजनों ने अपनी पुत्रियों को काफी तलाश किया लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका।परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवतियों की तलाश शुरू कर दी है।

बाजार गए युवक की बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

हरदोई, चसं। टड़ियांवा थाना क्षेत्र के ग्राम महोनी परसपुर निवासी युवक की बाइक अहिरोरी बाजार से किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर लिए जाने की घटना में थाना पुलिस ने पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात चोर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू की है।पीड़ित शिवरतन पुत्र लक्ष्मण के अनुसार वह 20 अप्रैल की शाम को 4 बजे अपनी बाइक संख्या यूपी 30 एडी 6817 से अहिरोरी कस्बे की बाजार से कुछ सामान लेने गया था।वह बाइक सड़क के किनारे लगा कर दुकान से सामान लेने चला गया।वापस आने पर उसकी बाइक उस स्थान पर उसे नहीं मिली।पीड़ित ने अपनी बाइक को काफी तलाश किया।पता न चलने पर उसने थाना पुलिस को बाइक चोरी की लिखित तहरीर दी।जिस आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी है।

महिला अपने 5 माह के बच्चे को लेकर प्रेमी के साथ फरार

हरदोई, चसं। सांडी थाना क्षेत्र में एक महिला अपने 5 माह के बच्चे को लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई। महिला ने अपनी 6 साल की बेटी को घर पर छोड़ दिया। दो दिन पहले महिला बाजार जाने के बहाने घर से निकली थी। पति ने बताया कि महिला के लौटकर न आने पर उसकी तलाश की गई। जांच में एक मोबाइल नंबर मिला, जिससे पता चला कि वह किसी प्रेमी के साथ फरार हो गई है। इसके बाद पति ने सोमवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी कौशल किशोर यादव ने बताया कि पति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस महिला और उसके प्रेमी की तलाश कर रही है। पति के मुताबिक उसके दो बच्चे हैं 6 साल की बेटी और 5 माह का बेटा। महिला छोटे बेटे को साथ ले गई है।

किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हरदोई, चसं। मंझिला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी के साथ एक माह पूर्व हुई दुष्कर्म की घटना में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस नामजद दुष्कर्मी को पूर्व में बाइक सहित गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।प्राप्त विवरण मे 15 मार्च को किशोरी के पिता द्वारा थाना मझिला पर तहरीर दी गयी कि रामजी पुत्र भैयालाल निवासी ग्राम जमुरा थाना मझिला द्वारा उसकी पुत्री के साथ गलत कार्य किया गया। इस संबंध में थाना मझिला पर दो आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई थी।थाना मझिला के प्रभारी सत्यप्रकाश मिश्रा व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित प्रकाश में आये आरोपी हासिम शाह पुत्र जाकिर शाह निवासी ग्राम जमुरा थाना मझिला को गिरफ्तार किया गया। पूर्व में मुख्य दुष्कर्मी रामजी पुत्र भैयालाल को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया है।

चोरी की सोने की चेन सहित महिला गिरफ्तार, गई जेल

हरदोई, चसं। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के नुमाइश मैदान में नुमाइश देखने आई महिला की चेन किसी महिला द्वारा चोरी किए जाने के मामले में पुलिस ने चोरी की चेन के साथ महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त विवरण में 09 मार्च को संध्या सिंह पत्नी अरविंद कुमार सिंह निवासी ग्राम व थाना सुरसा द्वारा कोतवाली शहर पर तहरीर दी गई कि वह नुमाइश मेले में घूमने आयी थी। इस दौरान किसी अज्ञात महिला द्वारा उसके गले से चैन को चोरी कर लिया गया। इस संबंध में पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली शहर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी।पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा चोरी की घटना का संज्ञान लेकर घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीम को गठित कर लगाया गया। कोतवाली शहर के प्रभारी निरीक्षक संजय त्यागी व पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त अभियोग में विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आयी उन्नावती पत्नी वीरेन्द्र पाल निवासी ग्राम ओडेरी थाना मझिला को चोरी की गई चैन सहित गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार महिला को जेल भेज दिया गया।

गिल, सुदर्शन की धमक से गुजरात ने जीता मैच

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। शुभमन गिल (90) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने सोमवार को आईपीएल 2024 के 39वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स को 39 रन से मात दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन बना सकी। शुभमन गिल (90) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने सोमवार को आईपीएल 2024 के 39वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स को 39 रन से मात दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन बना सकी। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। गिल ने 55 गेंदों में 10 चौके और

गिल और उनके ओपनिंग जोड़ीदार साई सुदर्शन पहले विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। ये आईपीएल में इन दोनों की छठी शतकीय साझेदारी थी। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 52 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। गिल और सुदर्शन के अलावा जोस बटलर ने अंत में 23 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाए।

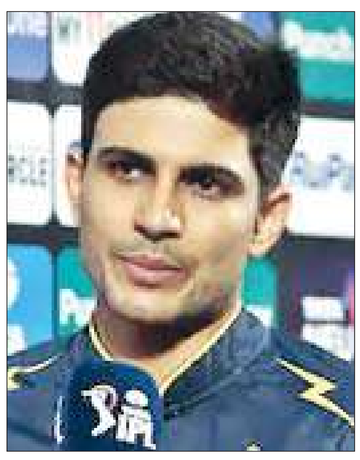

तीन छक्के की मदद से 90 रन बनाए। इस जीत के साथ ही गुजरात ने आईपीएल 2025 की प्वाइंट्स टेबल में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। जीटी की यह 8 मैचों में छठी जीत रही। वहीं, केकेआर की यह 8 मैचों में पांचवीं शिकस्त रही और वो सातवें स्थान पर बनी हुई है। गुजरात की जीत में कप्तान शुभमन गिल का अहम रोल रहा जिन्होंने 90 रनों की पारी खेली। इस पारीके दौरान इतिहास रच दिया। इस पारी से उन्होंने आईपीएल में अपने 3500 रन पूरे कर लिए हैं। वह 25 साल की उम्र में आईपीएल इतिहास में इतने रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए मैच में गिल ने 55 गेंदों में 90 रनों की शानदार पारी खेली और मुकाम हासिल किया। गिल ने अपनी इस पारी के दौरान न केवल अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया बल्कि एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आईपीएल में 3500 रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। खास बात यह है कि 26 साल की उम्र से पहले किसी भी खिलाड़ी ने आईपीएल में 3000 रनों का आंकड़ा भी पार नहीं किया था। गिल ने 108 पारियों में यह मुकाम हासिल किया। केएल राहुल (91 पारियां) के बाद ये इतने रन पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए।

विराट कोहली नहीं कर पाए ये काम : गिल और विराट कोहली अंडर-19 वर्ल्डकप जीतने के बाद ही आईपीएल में आए थे, लेकिन विराट कोहली भी 25 साल की उम्र में इतने आईपीएल रन नहीं बना सके थे। हालांकि गिल ने ये काम कर दिया है। इस मैच में गिल और उनके ओपनिंग जोड़ीदार साई सुदर्शन पहले विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। ये आईपीएल में इन दोनों की छठी शतकीय साझेदारी थी। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 52 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। गिल और सुदर्शन के अलावा जोस बटलर ने अंत में 23 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाए। इन पारियों के दम पर गुजरात ने तीन विकेट खोकर 198 रन बनाए। कोलकाता की टीम इस स्कोर को हासिल नहीं कर सकी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम को जीत दिलाने की काफी कोशिश की। रहाणे ने 36 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का मार 50 रन बनाए। कोलकाता की टीम 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। रहाणे के अलावा कोई भी बल्लेबाज कमाल नहीं दिखा सका। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आए अंगकृष रघुवंशी ने 13 गेंदो तीन चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 27 रन बनाए। लेकिन जब तक वह आए तब तक काफी देर हो चुकी थी। गुजरात की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने दो-दो विकेट लिए। सिराज, ईशांत, वॉशिंगटन सुंदर और साई किशोर ने एक-एक विकेट लिए। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दम पर गुजरात टाइटंस ने सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को उसके घर में 39 रनों से हरा दिया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते तीन विकेट विकेट खोकर 198 रन बनाए थे। कोलकाता का टीम 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। गिल ने 55 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और तीन चौकों की मदद से 90 रन बनाए। जोस साई सुदर्शन ने 36 गेंदों पर छह चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। अंत में जोस बटलर ने 23 गेंदों पर 41 रनों की नाबाद पारी खेली। कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने इस मैच में क्विंटन डिकॉक को बाहर कर रहमानुल्लाह गुरबाज को खिलाया। लेकिन उनका ये दांव चला नहीं। गुरबाज पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए। गुरबाज ने चार गेंदों पर एक रन बनाए। सुनील नरेन ने जैसे ही आक्रामक रुख अपनाना चाहा राशिद खान ने उनकी पारी का अंत कर दिया। वह राहुल तेवितया के हाथों लपके गए। कोलकाता पर संकट था। ऐसे में एक बार फिर कप्तान रहाणे ने टीम का साथ दिया और उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर टीम को संभाला। रहाणे ने इस सीजन का अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन वह इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर स्टम्प हो गए। उनसे पहले अय्यर को साई किशोर ने पवेलियन भेज दिया था। वह 14 रन बनाकर आउट हुए। अब सारी उम्मीदें आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से थीं। रसेल ने साई किशोर पर कुछ अच्छे शॉट्स मारकर जीत की उम्मीद जगाई, लेकिन राशिद खान की फिरकी के सामने उनका तूफान थम गया। 16वें ओवर की पांचवीं गेंद पर वह स्टम्प हो गए। रसेल ने 15 गेंदों पर 21 रन बनाए जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल रहा। रमनदीप सिंह (1), मोईन अली (0) जल्दी पवेलियन लौट गए और फिर कोलकाता की हार तय हो गई। टीम ने अंगकृष रघुवंशी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा, लेकिन उसका ये दांव भी फेल हो गया। गुजरात ने ईशांत शर्मा को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर बुलाया और उन्होंने रिंकू सिंह को पवेलियन भेज दिया। वह 17 रन ही बना सके। कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ईडन गार्डेंस स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया, हालांकि यह कारगर साबित नहीं हुआ। शुभमन गिल ने उनकी परेशानियां बढ़ा दीं। पंजाब के इस नौजवान ने 2018 में जब कोलकाता की ओर से आईपीएल में पदार्पण किया था, तभी उन्होंने संकेत दे दिए थे कि वे लंबी रेस का घोड़ा हैं। 2020 व 2021 में उन्होंने कोलकाता के लिए सर्वाधिक रन बनाए। 2022 में जब वे गुजरात से जुड़े तो वहां भी अपना जौहर दिखाकर नई-नवेली इस टीम को उसके पहले ही सत्र में खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। गिल ने उस सत्र में 483 रन बनाए। शुभमन और सुदर्शन ने गुजरात को बेहद मजबूत शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 114 रन जोड़े। गिल ने 34 गेंदों पर सत्र का अपना तीसरा तो सुदर्शन ने 33 गेंदों पर पांचवां पचासा जड़ा। आंद्रे रसेल ने साई को विकेटकीपर गुरबाज के हाथों लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। कोलकाता के विरुद्ध मैच में अपना चौथा रन बनाते ही सुदर्शन ने लखनऊ के निकोलस पूरन से ऑरेंज कैप लेकर पहन ली। पूरन के आठ मैचों में 368 रन हैं जबकि सुदर्शन के अब इतने ही मैचों में 417 रन हो गए हैं। 36 गेंदों की उनकी पारी में छह चौके व एक छक्का शामिल रहा। इस मैच में कोलकाता का लचर क्षेत्ररक्षण भी देखने को मिला। पहले हर्षित राणा की गेंद पर वैभव अरोड़ा और उसके बाद वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर मनीष पांडे ने बटलर का कैच छोड़ा। क्या ये वही गेंदबाज हैं, जिन्होंने पिछले दो मैचों में पहले चेन्नई को 103 और फिर पंजाब को 111 रनों पर समेट दिया था। गुजरात के बल्लेबाजों के आगे कोलकाता के गेंदबाज बेअसर दिखे। सांत्वना के नाम पर आंद्रे रसेल, हर्षित राणा व वैभव अरोड़ा को एक-एक विकेट मिला। वरुण चक्रवर्ती व सुनील नारायण की झोली खाली रही।

शादी कब है शुभमन? कमेंटेटर का सवाल सुनकर शर्मा गए गिल : भारत के उभरते हुए सितारे और गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के अफेयर की चर्चा लगातार होती रहती है। उनका नाम कई अभिनेत्रियों से भी जोड़ा जाता है। गिल इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं और सोमवार को उनके सामने शादी का सवाल आ गया। जाहिर है क्रिकेट के मैदान पर शादी का सवाल किसी को भी हैरान कर सकते हैं। गिल के साथ भी ऐसा ही हुआ और इस सवाल को सुनकर वह शर्मा गए। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में गुजरात का सामना कोलकाता से है। इस मैच में जब टॉस के लिए दोनों कप्तान आए तो प्रेजेंटर डैनी मॉरिसन ने ऐसा सवाल कर दिया कि गिल हैरान रह गए और शर्मा गए। मौरिसन ने गिल से टॉस के समय पूछा, आप अच्छे लग रहे हैं, क्या जल्दी शादी होने वाली है? इस सवाल को सुनकर गिल थोड़े असहज हो गए और नवर्स दिखाई देने लगे। इसके बाद गिल ने जवाब दिया, नहीं ऐसा कुछ नहीं है। हालांकि, ये सब मस्ती मजाक में चल रहा था जिसे सुन सभी हंसने लगे। मौरिसन अपने इसी तरह के मस्ती मजाक के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर खिलाड़ियों से मस्ती करते हैं। उनका मिजाज भी कुछ इसी तरह का है। इस मैच में कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गिल की गुजरात को पहले बल्लेबाजी मिली। गुजरात इस सीजन शानदार फॉर्म में है। कोलकाता के खिलाफ मैच से पहले उसके सात मैचों में पांच जीत और दो हार से कुल 10 अंक हैं। कोलकाता के इस मैच से पहले सात मैचों में तीन जीत और चार हार से छह अंक हैं। कोलकाता का मौजूदा सीजन अजीब रहा है। वह एक मैच जीती है तो अगला मैच हारी है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। कोलकाता जिस पैटर्न पर चल रही है उसे देखते हुए लगता है कि गुजरात के खिलाफ वह जीत हासिल कर सकती है।

मयंक यादव की वापसी से लखनऊ का पलड़ा भारी : पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दो रन से मिली जीत से लखनऊ सुपरजायंट्स के हौसले बुलंद हैं। अब उसके सामने मजबूत दिल्ली कैपिटल्स की चुनौती होगी। इकाना स्टेडियम में मंगलवार को होने वाले आईपीएल के 40वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स जीत के साथ न सिर्फ प्लेऑफ का दावा मजबूत करना चाहेगी, बल्कि उसकी नजर पहले मैच में दिल्ली के खिलाफ हार का हिसाब चुकता करने पर भी होगी। मेहमान टीम जहां सात मैचों में पांच जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है, वहीं आठ मुकाबलों में पांच जीत हासिल कर मेजबान पांचवें नंबर पर हैं। इस अहम मुकाबले में लखनऊ के स्टार गेंदबाज मयंक यादव की वापसी तय मानी जा रही है। मयंक के मैदान में उतरने से एलएसजी का दावा मजबूत होगी। लखनऊ सुपरजायंट्स को अभी तक मिली जीत में निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और एडम मार्करम की अहम भूमिका रही है। ये तीनों विदेशी खिलाड़ी लखनऊ की जीत की गारंटी माने जा रहे हैं। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों में अभी तक सिर्फ आयुष बडोनी ही कुछ कमाल दिखा पाए हैं। ऐसे में विजय रथ पर सवार दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबले में भी लखनऊ की जीत का पूरा दारोमदार है।

- कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करके निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 198 रन बनाए, जवाब में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन बना सकी

संक्षिप्त समाचार

मास्टर्स ब्लास्टर ने जीता पहला एलबीसीएल कप

लखनऊ, चसं। क्रिकेट के नए और रोमांचकारी अंदाज के दो दिन तक चले 16 टीमों के ज़बर्दस्त मुकाबलों में ब्लास्टर की टीम ने बाजी मारते हुए फाइनल में तैयब एलवन को एक रोमांचक मुकाबले में हराकर एलबीसीएल ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया। विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ ही 30 हजार रुपये इनाम मिला। लखनऊ के दो युवा खिलाड़ियों तेजस्वी पाठक और सुहेल ने बॉक्स क्रिकेट के इस आयोजन में शहर की बेहतरीन टीमों को एकजुट कर एक बेहतरीन टूर्नामेंट का आयोजन कर क्रिकेट के इस नए फार्मेट को पहचान देने का शानदार प्रयास किया है।

भारत के उद्यमियों को सशक्त बना रहा है मुद्रा लोन छोटे व्यवसायों के लिए बना आर्थिक संजीवनी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की आर्थिक प्रगति की नींव हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों पर टिकी हुई है। यह क्षेत्र न केवल करोड़ों लोगों को रोजगार देता है, बल्कि जमीनी स्तर पर नवाचार (इनोवेशन) और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देता है। भारत सरकार ने इसी विचार को ध्यान में रखते हुए 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत की थी। यह योजना छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को बिना गारंटी के ऋण (स्वंद) उपलब्ध कराने की एक ऐतिहासिक पहल है। आज मुद्रा लोन योजना असंगठित और वंचित उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय सहारा बन चुकी है। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों, महिला उद्यमियों, कारीगरों, फेरीवालों और घरेलू उद्योगों जैसे लाखों लोगों को सशक्त बनाना है, जो पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली से अक्सर दूर रह जाते हैं। 2015 से अब तक करोड़ों लोगों को मुद्रा लोन के तहत ऋ्रण मिल चुका है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग से आने वाले उद्यमी शामिल हैं। इस योजना के माध्यम से युवाओं को नौकरी ढूंढने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनने की प्रेरणा मिली है। कई छोटे कारोबारी जो पहले पूंजी की कमी से जूझते थे, अब अपनी दुकान, सर्विस यूनिट या निर्माण कार्य को विस्तार दे रहे हैं। भारत का सपना है कि वह 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बने। मुद्रा लोन जैसी योजनाएं इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, इसके समुचित कार्यान्वयन के लिए वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग तक पहुंच और टेक्नोलॉजी का सही उपयोग जरूरी है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के परिधान निर्यात में दो अंकों की बढ़त, वस्त्र उद्योग दिखा रहा मजबूती

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक दबावों के बावजूद भारत के वस्त्र और परिधान (टेक्सटाइल और एपरल) निर्यात में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 6.32ः की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान परिधान निर्यात का रहा, जिसमें अकेले 10.03 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी कन्फेडरेशन ऑफइंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री द्वारा किए गए विश्लेषण में सामने आई है। सीआईटीआई के चेयरमैन राकेश मेहरा ने कहा, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच परिधान निर्यात का मजबूत प्रदर्शन और वस्त्र क्षेत्र में स्थिर वृद्धि भारत के वस्त्र एवं परिधान उद्योग की लचीलापन, अनुकूलन क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को दर्शाती है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय सरकार की व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों और नए व्यापार समझौतों को दिया, जिससे निर्यातकों का आत्मविश्वास बढ़ा है। राकेश मेहरा ने यह भी बताया कि अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार तनाव भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर है। अमेरिका अब चीन से परे अपने सोर्सिंग विकल्पों में विविधता लाना चाहता है। ऐसे में भारत एक भरोसेमंद और पसंदीदा भागीदार बन सकता है। इसके लिए भारत को सक्रिय राजनयिक प्रयास और स्थिर टैरिफनीति सुनिश्चित करनी होगी, उन्होंने कहा। मार्च 2025 में भारतीय वस्त्र निर्यात में 5.81ः की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि परिधान निर्यात में 3.97ः की वृद्धि देखी गई। मार्च 25 में वस्त्र और परिधान के कुल निर्यात में 1.63ः की गिरावट आई, यदि इसे मार्च 24 से तुलना करें। पूरे वित्त वर्ष (अप्रैल 2024 - मार्च 2025) में वस्त्र निर्यात में 3.61ः की वृद्धि हुई, जबकि परिधान निर्यात में 10.03ः की मजबूती दर्ज की गई। यह वृद्धि कुल माल निर्यात के प्रदर्शन से कहीं बेहतर रही, जो इस दौरान लगभग स्थिर बना रहा।

ससंद को विश्वास में लेकर ही हो अमेरिका से कोई समझौता

लखनऊ, चसं। रोजगार अधिकार अभियान की राष्ट्रीय संचालन समिति की वर्चुअल मीटिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत सीमा शुल्क या टैरिफलगाने के कारण देश कीअर्थव्यवस्था और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर गहन चर्चा की गई। प्रस्ताव पारित कर 21 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भारत दौरे के समय कृषि और व्यापार संबंधी भारत सरकार द्वारा किए जाने वाले समझौतों की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। मांग की गई कि भारत सरकार संसद फोरमों और व्यापक स्तर पर चर्चा के बाद ही अमेरिका के साथ आयात शुल्क, कृषि, पशुपालन व ट्रेड जैसे अहम मुद्दों पर समझौता करे। ऐसा कोई भी समझौता डब्ल्यूटीओ और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के दिए निर्देशों का उल्लंघन न हो। वक्ताओं ने कहा कि अमेरिकी दबाव और दादागिरी से बचने के लिए घरेलू बाजार व व्यापार और आम लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। दक्षिण एशिया के देशों में व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के उपाय किए जाएं। इस टैरिफवार ने एक बार फिर से देश की आर्थिक दिशा में बदलाव लाने की जरूरत को सामने लाया है। ट्रंप प्रशासन मनमाने पर उतर आया है और अपनी टैरिफनीति के माध्यम से सुपर प्रॉफिट कमाने के लिए व्यापार पर दुनिया में एकाधिकार कायम करना चाहता है। वह दुनिया में व्यापार के लिए तय मानकों का सरासर उल्लंघन करने में लगा है। सीमा शुल्क के बारे में विश्व व्यापार संगठन की नीतियां है जिसमें भारत जैसे विकासशील देशों को विशेष अधिकार दिए गए हैं। जिन्हें मानने के लिए ट्रंप प्रशासन कतई तैयार नहीं है। इसका भारत की अर्थव्यवस्था पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ेगा और पहले से मौजूद रोजगार संकट और भी ज्यादा बढ़ेगा।बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की गारंटी करने, देश में सरकारी विभागों में रिक्त पड़े पदों पर तत्काल भर्ती, हर व्यक्ति की सम्मानजनक जीवन की गारंटी करने और सुपर रिच की संपत्ति पर समुचित टैक्स लगाने को लेकर चलाए जा रहे रोजगार अधिकार अभियान में ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफमुद्दे को भी शामिल किया जाएगा और इसे प्रमुखता से उठाया जाएगा।वर्चुअल मीटिंग को प्रमुख रूप से रोजगार अधिकार अभियान के कोआर्डिनेटर राजेश सचान, कर्नाटक विद्यार्थी संघ के सरोवर, युवा मंच के अर्जुन प्रसाद, सोनभद्र आदिवासी अंचल से सविता गोंड व रूबी सिंह, गुंजा गोंड, सुगवंती गोंड, मऊ के शिक्षक राजेश कुमार सिंह, तकनीकी प्रतियोगी छात्रों के ई. राम बहादुर पटेल, कानपुर विश्वविद्यालय के शोधार्थी बागीश धर राय, वाराणसी के सामाजिक कार्यकर्ता राज कुमार गुप्ता, प्रयागराज युवा मंच संयोजक जय प्रकाश यादव, सीतापुर के गोविंद सिंह शामिल रहे।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सोमवार को होने वाले इटली के सभी फुटबॉल मैच स्थगित

नयी दिल्ली, एजेंसी। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सोमवार को होने वाले इटली के सभी फुटबॉल मैचों को स्थगित कर दिया गया है। वेटिकन ने जानकारी दी कि पोप फ्रांसिस की श्वास से जुड़ी बीमारी और निमोनिया के कारण 88 वर्ष की उम्र में वेटिकन स्थित अपने निवास श्कासा सांता मार्ता में निधन हो गया। सीरी ए फुटबॉल लीग की ओर से जारी बयान में कहा गया, पोप फ्रांसिस के निधन के कारण आज के सीरी ए और प्रिमावेरा 1 के सभी मैच स्थगित कर दिए गए हैं। इन मैचों की नई तारीख बाद में बताई जाएगी। यूरोप के कई फुटबॉल क्लबों ने पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि दी है। इटली की मौजूदा चौंपियन इंटर मिलान ने कहा, एफसी इंटरनेशियोनाले मिलानो पोप फ्रांसिस के निधन से शोक में है।

ऑस्ट्रेलिया में अडानी का मास्टरस्ट्रोक

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े पोर्ट ऑपरेटर अदाणी पोर्ट्स ने ऑस्ट्रेलिया के नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल को वापस अपने नियंत्रण में लेकर भू-राजनीतिक और आर्थिक गलियारों में एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। 2.4 अरब अमेरिकी डॉलर का यह सौदा सीधे तौर पर नकद लेनदेन पर आधारित नहीं है, बल्कि अदाणी समूह की कंपनियों द्वारा कारमाइकल रेल और पोर्ट सिंगापुर होल्डिंग्स को 14.35 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे प्रमोटर की हिस्सेदारी में 2.12व की वृद्धि होगी। यह अधिग्रहण महज एक व्यावसायिक सौदा नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की बढ़ती रणनीतिक दूरदर्शिता का प्रमाण है।

ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी भाग में स्थित यह बंदरगाह भारत के लिए पश्चिम से पूर्व तक व्यापार मार्गों में प्रवेश का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार साबित हो सकता है। इस बंदरगाह से होने वाले 90 प्रतिशत कार्गो का सीधा संबंध एशियाई देशों, विशेषकर भारत और चीन से है। यह पावर प्ले अदाणी समूह की वैश्विक विस्तार की रणनीति में पूरी तरह फिट बैठता है। बोवेन और गैलीली कोल माइंस से सीधी कनेक्टिविटी के कारण यह ऊर्जा और संसाधनों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करता है। भविष्य में, यही टर्मिनल ग्रीन हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधनों के निर्यात में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आज के दौर में बंदरगाह केवल जहाजों के ठहरने की जगह नहीं रह गए हैं, बल्कि वे भू-राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के नए केंद्र के रूप में उभरे हैं। ब्लैकरॉक जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों का पनामा और अन्य महत्वपूर्ण बंदरगाहों में भारी निवेश इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बंदरगाहों पर नियंत्रण भविष्य की शक्ति का निर्धारण करेगा। अदाणी पोर्ट्स का यह कदम भारत को इसी शक्ति के केंद्र में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गौरतलब है कि नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल पहले भी अदाणी समूह के स्वामित्व में था, जिसे 2011 में खरीदा गया था और 2013 में घरेलू विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रमोटर को हस्तांतरित कर दिया गया था। अब, जब भारत की वैश्विक ताकत कई गुना बढ़ चुकी है, कंपनी न केवल इस पोर्ट को वापस ले रही है, बल्कि रणनीतिक रूप से इसे और मजबूत कर रही है। क्षेत्रीय स्तर पर एक समझदारी भरा मूल्यांकन इस सौदे को और भी महत्वपूर्ण बनाता है।

इस अधिग्रहण के साथ, अदाणी पोर्ट्स के पास अब कुल 19 बंदरगाह होंगे, जिनमें इज़राइल, श्रीलंका, तंजानिया और अब ऑस्ट्रेलिया में स्थित 4 विदेशी बंदरगाह शामिल हैं। यह भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है,

भारत बन रहा मार्गदर्शक

जिसके तहत उन क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है जो भारतीय व्यापारिक हितों के साथ संरेखित हैं। ऑस्ट्रेलिया, जहां पहले से ही चीनी निवेश 9 अरब डॉलर से अधिक है, में भारत की मजबूत उपस्थिति न केवल एक रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करेगी, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा, कच्चे माल की आपूर्ति और हरित ईंधन के क्षेत्र में भारत की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित करेगी। अडानी पोर्ट्स का यह अधिग्रहण मात्र व्यापार की मात्रा या मुनाफे का विषय नहीं है, बल्कि यह भारत की उस महत्वाकांक्षी सोच का प्रतीक है जो अब स्थानीय सीमाओं को लांघकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। आज भारत उन व्यापार, ऊर्जा और रणनीतिक मार्गों को मजबूत कर रहा है, जो भविष्य की दुनिया की दिशा तय करेंगे, और हर उस मार्ग पर अदाणी पोर्ट्स जैसा एक भारतीय संस्थान अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अब केवल एक बाजार नहीं रह गया है, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका में भी उभर रहा है।

रोहित, कोहली बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध में टॉप ग्रेड पर बरकरार, अय्यर और किशन की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2024-25 के लिए भारतीय पुरुष सीनियर टीम के खिलाड़ियों के सालाना अनुबंध का ऐलान किया है। खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर ए+, ए, बी और सी ग्रेड में बांटा गया है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा सबसे ऊंचे ए+ ग्रेड में हैं। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन, जिन्हें 2023-24 में खराब प्रदर्शन और टीम में जगह न मिलने के कारण अनुबंध नहीं मिला था, उन्होंने 2024-25 की लिस्ट में वापसी की है। अय्यर ग्रेड बी में हैं और किशन ग्रेड सी में हैं। हाल ही में जिन खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में जोड़ा गया है, वे सभी सी ग्रेड में हैं। इनमें नीतीश कुमार रेड्डी, ध्रुव जुरेल, अभिषेक शर्मा, सरफराज खान, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायर हुए रविचंद्रन अश्विन की जगह अब ऋ्रषभ पंत को ए कैटेगरी के कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है। इस कैटेगरी के बाकी पांच खिलाड़ी वही हैं जो पहले थे। पिछली बार पंत बी कैटेगरी की लिस्ट में थे। कुल मिलाकर 34 खिलाड़ियों को 2024-25 सीजन के लिए सालाना कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है, जिसमें 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के प्रदर्शन को ध्यान में रखा गया है। बीसीसीआई के शीर्ष ग्रेड अनुबंध में मैच फीस और इंसेंटिव के अलावा सालाना 7 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। सबसे ऊपरी ग्रेड, यानी ग्रेड में मौजूद रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भारतीय क्रिकेट के मजबूत स्तंभ हैं। ग्रेड ए प्लस में चार खिलाड़ी- रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा, ग्रेड ए में छह खिलाड़ी शामिल हैं- मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शमी और ऋ्रषभ पंत। ग्रेड बी में पांच खिलाड़ी हैं-सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर।

राजस्थान, भारत का अगला औद्योगिक पावरहाउस

चर्चित राजनीति। एजेंसी

जयपुर। सोशल मीडिया के माध्यम से वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने राजस्थान की विशाल अप्रयुक्त खनिज संपदा पर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य की आर्थिक क्षमता को और अधिक बढ़ाने के लिए औद्योगिक विकास में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

जीडीपी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि राजस्थान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों से क्यों पीछे है, जबकि इन सभी राज्यों की जीडीपी 300 बिलियन डॉलर से अधिक है। यह ऐसे समय में, जब राजस्थान 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। हालिया अनुमानों के अनुसार, 196 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ, राजस्थान औद्योगिक विकास के मामले में अपने समकक्ष राज्यों से पीछे है।अपने सोशल मीडिया पोस्ट में वेदांता के चेयरमैन ने कहा कि राजस्थान की धरती में अपार संपदा है, ऑयल एण्ड गैस, स्टोन, तांबा,

चांदी, सोना, ज़िंक,पोटाश, रॉक फॉस्फेट ऐसे तत्व है जो राज्य के लिए समृद्धि की नई लहर ला सकते हैं। राज्य में देश के सबसे समृद्ध और व्यापक प्राकृतिक संसाधन भंडार हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम इस प्राकृतिक खजाने का पूरा उपयोग करते हैं तो राजस्थान की जीडीपी और राजस्व आसमान छू सकते हैं। अनगिनत रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं एवं व्यापक समृद्धि आ सकती है। स्पष्ट रूप से जरूरत इस बात की है कि धरती के नीचे छिपे प्राकृतिक खजानों का पूर्ण उपयोग और खनिजों को मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलने के लिए हजारों विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित की जाएँ। इसके अलावाए उन्होंने राजस्थान को एक उद्यमी केंद्र के रूप में भी सराहा और लिखा कि भारत के कुछ महान उद्यमी राजस्थान से हैं।

ईशा कोप्पिकर ने समर वाइब्स के साथ गोल्डन ऑवर को बनाया 'मैंगो ऑवर'

गर्मियों के मौसम की शुरुआत हो चुकी है और बदलते मौसम के साथ लोगों की खाने, पीने और पहनने की चॉइस भी बदल चुकी है। बॉलीवुड हसीनाओं ने भी अपनी तस्वीरों में समर सीजन की वाइब्स देना शुरू कर दिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर दिखाया कि गर्मी की शुरुआत हो गई है। उन्होंने आम खाते हुए की कई तस्वीरें शेयर की, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई। फैंस ईशा की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए ईशा कोप्पिकर ने कैप्शन में लिखा-धूप में आम जैसा स्वाद महसूस हो रहा है। गोल्डन ऑवर या मैंगो ऑवर? बताना मुश्किल है। ये दिल मैंगो मोर! इन तस्वीरों में ईशा सिर्फ ग्लैमरस ही नहीं बल्कि खुशियों और गर्मी की सौगात भी बिखेरती नजर आईं। उनकी स्किन पर पड़ती सुनहरी धूप और उनके चेहरे की मुस्कान फैंस का खूब दिल जीत रही है। इस नो मेकअप वाले लुक में भी वह बाकमाल लग रही है। अपनी खूबसूरती के साथ ही वह जिस अंदाज में आम खा रही हैं, वो भी फैंस को खूब लुभा रहा है। ईशा पूरे स्वाद के साथ आम के मजे ले रही हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट को अब तक 4 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और फैंस के धडाधड़ कमेंट्स भी आ रहे हैं। **:: एजेंसी**

एलन मस्क की मां मेय के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची जैकलीन मां के निधन के बाद पहली बार भगवान के दर पर लगाई हाजिरी

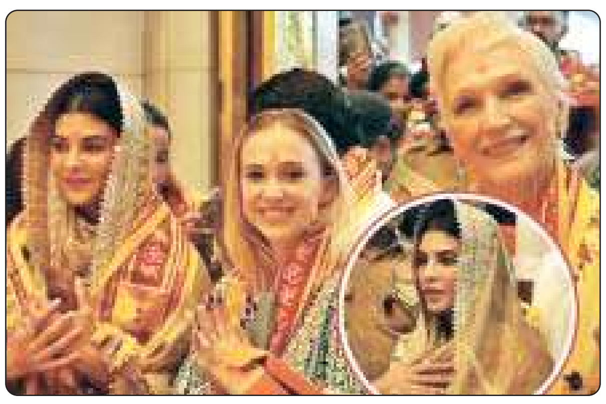

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस पर कुछ दिनों पहले दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। मां के निधन से एक्ट्रेस बुरी तरह टूट गई थी, जिसके दुख से वह धीरे-धीरे उबर रही है। इसी बीच हाल ही में उन्होंने ईस्टर पर मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस खास मौके को और भी यादगार बना दिया उनकी खास दोस्त मेय मस्क ने, जो कि मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क की मां हैं। मंदिर से मेय के साथ अब जैकलीन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में जैकलीन फर्नांडिस और मेय मस्क मंदिर परिसर में काफी भक्तिमय नजर आ रही हैं। जैकलीन सिर पर दुपट्टा लिए भगवान के सामने हाथ जोड़े प्रार्थना करती नजर आ रही हैं। वहीं, उनके साथ मेय और एक और उनकी फ्रेंड गले में पीला साफा लिए और माथे पर तिलक लगाए काफी खुश दिख रही हैं। इस दौरान जैकलीन गोल्डन और आइवरी कलर के ट्रेडिशनल सलवार सूट में बेहद खूबसूरत और भव्य लग रही हैं। वहीं मेय मस्क ने भारतीय परंपरा का सम्मान करते हुए फ्लोरल प्रिंट वाला आइवरी कुर्ता और पायजामा पहना है। मंदिर दर्शन के बाद, जैकलीन फर्नांडीज ने इस अनुभव को बेहद खूबसूरत और आत्मीय बताया। उन्होंने कहा कि मेरी प्यारी दोस्त मेय के साथ सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन करना एक विशेष अनुभव था। वे अपने बुक लॉन्च के लिए भारत आई हैं और उनके साथ यह आध्यात्मिक क्षण साझा करना मेरे लिए बहुत भावुक था। उनकी किताब ने मुझे यह सिखाया है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। आपके सपने और लक्ष्य कभी रुकने नहीं चाहिए। गौरतलब है कि मेय मस्क इस समय भारत दौरे पर हैं और उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य है उनकी आत्मकथा के भारतीय संस्करण का लॉन्च। यह किताब, जिसमें उन्होंने एक महिला के तौर पर जीवन की चुनौतियों, संघर्षों और आत्मविश्वास भरी जीतों को शेयर किया है, कई महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी है। **:: एजेंसी**

पंजाबी एक्ट्रेस हिमांशी खुराना का फूटा गुस्सा

पंजाबी सिंगर और एक्ट्रेस हिमांशी खुराना एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वो अपने किसी ब्रेकअप को लेकर नहीं, बल्कि पंजाब फिल्म इंडस्ट्री के एक व्यक्ति पर गुस्सा जाहिर करने के चलते सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।हिमांशी अक्सर अपनी बात खुलकर सोशल मीडिया पर रखती हैं। **:: एजेंसी**

रेजिना कैसेंड्रा ने 'केसरी 2' में निभाया खास किरदार

अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2 रिलीज हो गई है और फिल्म की काफी तारीफ हो रही है। केसरी 2 की कहानी लोगों के दिल को छू गई है, जिसमें अक्षय कुमार वकील के रोल में नजर आए हैं। अनन्या पांडे और आर माधवन भी लीड रोल में हैं और इनके अलावा केसरी 2 में सनी देओल की फिल्म 'जाट' की लेडी विलेन ने भी अहम रोल निभाया है। आइए बताते हैं कि रेजिना कैसेंड्रा कौन हैं और उन्होंने केसरी 2 में क्या किरदार निभाया है। जाट की लेडी विलेन के रोल से सुर्खियां बटोरने वाली रेजिना कैसेंड्रा एक साउथ एक्ट्रेस हैं, जो केसरी 2 में भी नजर आई हैं।

रेजिना ज्यादातर मूवीज में नेगेटिव रोल्स में नजर आई हैं और अपनी दमदार एक्टिंग से अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। तमिल मूवी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली रेजिना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपनी शानदार एक्टिंग की वजह से ही वो आज बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म की हीरोइन बन गई हैं। 'जाट' में विलेन रणदीप हुड्डा की खतरनाक पत्नी भारती राणा तुंगा का रोल निभाने के बाद रेजिना कैसेंड्रा ने केसरी 2 में अक्षय कुमार की पत्नी का रोल निभाया है। रेजिना कैसेंड्रा ने केसरी 2 में सी.शंकरण की पत्नी पार्वती अम्मा का रोल निभाया है, जो बाद में लेडी शंकरण नायर के नाम से जानी जाती हैं। तमिल और तेलुगु मूवीज की एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा को दर्शकों ने 'जाट' और 'केसरी 2' में साड़ी पहने देसी अवतार में देखा है। मगर असल जिंदगी में रेजिना कैसेंड्रा बहुत बोल्ड हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर ही अपनी वीडियो और फोटोज शेयर करती रहती हैं। रेजिना कैसेंड्रा के इंस्टाग्राम पर 20 लाख फॉलोअर्स हैं। रेजिना कैसेंड्रा ने साउथ फिल्मों के साथ-साथ बॉलीवुड मूवीज में भी काम किया है, उन्होंने अनिल कपूर और कंगना रनौत की फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 से पहले रेजिना ने 'थलाइवी' और 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' में भी नजर आ चुकी हैं। बता दें कि सनी देओल का एक्शन हो और तालियों की गड़गड़ाहट थिएटर में न गूंजे ऐसा कैसे हो सकता है। बॉलीवुड में शानदार कमबैक करने वाले बॉलीवुड के 'घातक' एक्टर सनी देओल की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म जाट गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। गदर 2 के बाद इस फिल्म को भी ऑडियंस ने तहे दिल से स्वीकार किया है। समीक्षकों और दर्शकों से तारीफ पाने वाली जाट में सनी देओल का एक्शन तो लोगों को भा ही रहा है, लेकिन इसी के साथ फिल्म में लेडी खलनायिका को भी दर्शक नजरअंदाज नहीं कर पाए हैं। सबसे पहले हम आपको बता दें कि जाट में नजर आ रहीं रेजिना कैसेंड्रा फिल्म में रणदीप हुड्डा उर्फ वरदराजा राणतुंगा की पत्नी भारती का किरदार अदा कर रही हैं। जो अपने पति के काले धंधे को संभालती है और इस दौरान वह कई लोगों को मौत के घाट भी उतारती हैं। फिल्म में उनका आमना-सामना सनी देओल के साथ भी दिखाया गया है। जाट में दमदार एक्शन दिखाने वाली ये एक्ट्रेस साउथ इंडस्ट्री से ही ताल्लुक रखती है। ललिता पवार से लेकर दिव्या दत्ता और अनसूया भारद्वाज के बाद रेजिना कैसेंड्रा बॉलीवुड की नई खलनायिका के रूप में उभरी हैं। कौन हैं रेजिना कैसेंड्रा इसकी डिटेल भी हम आपको दे देते हैं। 13 दिसंबर 1990 में जन्मी रेजिना मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम करती हैं।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत तमिल फिल्म से की थी, जिसमें उन्होंने कंडा नाल मुधाल में सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर काम किया था। रेजिना ने सपोर्टिंग किरदार निभाने के बाद साल 2012 में तेलुगु फिल्म सिवा मनासुलो श्रुति में मेन लीड एक्ट्रेस के रूप में काम किया था। जिसमें उन्होंने श्रुति की भूमिका निभाई थी। इस किरदार के लिए उन्हें सिम्मा अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू इन तेलुगु सिनेमा से नवाजा गया था। इसके बाद उन्होंने रूटीन लव स्टोरी, केडी बिल्ला किल्लाडी रांगा, पावर, पिल्ला नुव्वु लेनी जीविथम में काम किया था, जिन्होंने उन्हें कमर्शियल सिनेमा की एक सफल अभिनेत्री बनाया। फिल्मों में तो रेजिना ने अभिनय का जलवा दिखाया ही है, लेकिन सोशल मीडिया पर भी उनके प्रशंसकों की एक अच्छी खासी लिस्ट है। इंस्टाग्राम पर रेजिना के दो मिलियन यानी कि 20 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। वहीं दूसरी ओर दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत की फिल्म 'विदामुयर्ची' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में रिजीना कैसांड्रा ने अहम भूमिका निभाई है।

हाल ही में रेजिना ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'विदामुयर्ची' में अपने किरदार और अभिनेता अजीत के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। साथ ही अभिनेत्री ने अपने फिल्मी सफर से जुड़ी कुछ खास बातें भी साझा की। 'विदामुयर्ची' में आपके किरदार के बारे में कहा जा रहा है कि यह नेगेटिव भी हो सकता है और पॉजिटिव भी। ऐसा किरदार निभाना कितना चैलेंजिंग था? इस सवाल पर रिजीना कैसांड्रा ने कहा कि मुझे तो बहुत खुशी है कि लोग पूछ रहे हैं कि कैसा कैरेक्टर है? मेरे लिए तो यही काफी है कि लोग इस बारे में बात कर रहे हैं कि ये पॉजिटिव है या नेगेटिव? मेरा किरदार एक एडवेंचरस लड़की का है, जो बहुत फन करती है, बहुत हंसती है, जो सबसे घुलमिल कर रहती है।

> **रेजिना ज्यादातर मूवीज में नेगेटिव रोल्स में नजर आई हैं और अपनी दमदार एक्टिंग से अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। तमिल मूवी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली रेजिना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अपनी शानदार एक्टिंग की वजह से ही वो आज बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म की हीरोइन बन गई हैं।**

बाकी आपको मेरे किरदार के बारे में फिल्म देखकर पता लगेगा। अजीत कुमार के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? एक को-एक्टर के तौर पर आप उन्हें कैसे देखती हैं? इस सवाल का जवाब देते हुये रिजीना ने बताया कि बहुत ही अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करने में बहुत सहज महसूस करती हूं। वह ऐसा कभी नहीं जताते कि वो एक सुपरस्टार हैं और उनके सामने किस तरह बिहेव करना है। फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने हम सबके लिए खाना भी पकाया है। उन्होंने बताया कि साउथ में मैंने बहुत फिल्में की हैं जो हिंदी की तुलना में ज्यादा हैं। मैं 14 साल से वहां काम कर रही हूं। हिंदी में मैंने अभी 2018 से काम करना शुरू किया है। जो कुछ भी हिंदी में मैंने काम किया है उसे लेकर मैं बहुत खुश हूं। मैं ये नहीं कह सकती कि हिंदी में ऐसे स्क्रिप्ट आ रहे हैं या साउथ से वैसे स्क्रिप्ट आ रहे हैं, मुझे दोनों जगह से इतना प्यार मिला है एक एक्टर के तौर पर मुझे सभी किरदार पसंद हैं, जो भी मैंने हिंदी या साउथ में निभाए हैं।

अजीत कुमार के एक्सीडेंट पर बात करते हुए रिजीना कैसांड्रा ने कहा कि मैं तो यह एक्सीडेंट लाइव देखा है उस पल सभी परेशान हो गए थे। मुझे विश्वास था कि उन्हें कुछ नहीं हुआ है। थोड़ी देर के लिए जरूर लगा कि ये क्या हो रहा है या क्या हो गया? लेकिन वह बिल्कुल ठीक थे। दोनों ही इंडस्ट्री को लेकर लंबे समय से तुलना हो रही है। आप इस बारे में क्या सोचती हैं? इस सवाल पर उन्होंने बताया कि पहले तो मुझे तुलना करना बिल्कुल भी पसंद नहीं है। भाषा का जो अंतर है वो सिनेमा में नहीं होता, हम इसको तमिल तेलुगु या हिंदी की तरह नहीं देखते। हम इसे पूरे विश्व के सिनेमा के तौर पर देखते हैं। भाषा बैरियर नहीं है, हम बैरियर बनाते हैं। मैंने कभी हिंदी इंडस्ट्री में अलग महसूस नहीं किया, जैसा व्यवहार लोग यहां करते हैं वैसा ही वहां भी लोगों का भी व्यवहार है। मेरे लिए दोनों एक ही जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है। हां, मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि लोग आपको कैसे ट्रीट करते हैं। समानता की बात करें तो इन दोनों इंडस्ट्रीज के बीच यही एक समानता है। अब तक के करियर में भाषा कभी आपके लिए समस्या बनी? उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुये बताया कि जी हां, मुझे हिंदी आती है। मैंने स्कूल और कॉलेज में हिंदी सीखी है। लेकिन कई बार भाषा के कारण समस्या भी आती है, जैसे मैं एक पंजाबी लड़की का किरदार नहीं निभा सकती। मैं एक पंजाबी लड़की की तरह दिखती हूं पर जब मैं बात करूंगी तो मैं एक पंजाबी लड़की की तरह नहीं बोल सकती। यह मुझे अलग-अलग तरह के किरदारों को एक्सप्लोर करने से रोकता है। एक एक्टर के तौर पर मैंने यह मसहूस किया है। आपने एक इंटरव्यू में कहा था कि आप नेटवर्किंग में यकीन नहीं रखती हैं। **:: नेशनल डेस्क**

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये 5 पत्ते, जानें इनके चमत्कारी फायदे

हमारे आस-पास कई ऐसे पौधे और पत्ते होते हैं जो हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें से कुछ पत्ते ऐसे होते हैं जिनके उपयोग से न सिर्फ हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है, बल्कि ये कई बीमारियों से भी बचाते हैं। आज हम आपको 5 ऐसे पत्तों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

बेल पत्र : बेल के पत्ते का सेवन कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है। यह आयुर्वेद में बहुत महत्व रखता है और विशेष रूप से पेट संबंधी समस्याओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। बेल के पत्तों में पेट को शांत करने और कब्ज को दूर करने की क्षमता होती है। यह पेट के अल्सर और गैस की समस्या को कम करने में मदद करता है। बेल के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की इम्यून सिस्टम को बढ़ाते हैं। यह खून को साफ करने का काम करता है और त्वचा पर मुंहासे आदि की समस्या को कम करता है।

पान के पत्ते : पान के पत्ते भारतीय संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। यह न केवल ताजगी और स्वाद प्रदान करते हैं, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं। दांतों और मसूड़ों के लिए फायदेमंद-पान के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो दांतों और मसूड़ों की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पान के पत्तों का सेवन पेट की समस्याओं को दूर करता है और पाचन को बेहतर बनाता है। यह सांसों को ताजगी प्रदान करता है और माउथ फ्रेशनर के रूप में उपयोगी है। पान के पत्तों में फाइबर होता है, जो वजन घटाने में सहायक होता है।

करी पत्ते : करी पत्ते एक बहुमूल्य औषधि के रूप में जाने जाते हैं। यह न केवल स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी लाभकारी होते हैं। करी पत्तों का सेवन बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों की झड़ने की समस्या को कम करता है और उन्हें स्वस्थ बनाता है। करी पत्ते पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं और अपच की समस्या को दूर करते हैं। ये शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। करी पत्तों का सेवन ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करता है।

तुलसी : तुलसी को संतुलन का पौधा कहा जाता है और यह आयुर्वेद में एक विशेष स्थान रखता है। यह न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है। तुलसी के पत्ते शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का सेवन श्वास संबंधी समस्याओं जैसे खांसी, जुकाम और अस्थमा में मदद करता है। तुलसी का सेवन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। यह रक्तदाब को नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है।

पुदीना : पुदीना एक ताजगी देने वाली हर्ब है और यह हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। यह हर घर में आसानी से पाया जाता है और इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के भोजन और पेय पदार्थों में किया जाता है। पुदीना पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। **:: एजेंसी**

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

चार हफ्ते में

अगर कोई लड़की है, तो यह और भी गंभीर बात है कि वह कहाँ जाएगी। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है।

हिसाब किताब का

प्रशासनिक तंत्र की पहले की भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा, एक समय वे रेगुलेटर होते थे जो उद्योगीकरण और उद्यमिता की गति निर्धारित करने का काम करते थे, लेकिन देश अब इस मानसिकता से बाहर आ चुका है। अब उन पर ऐसा माहौल बनाने की जिम्मेदारी है जो नागरिकों को शक्तिशाली बनाए और उन्हें बाधाओं को पार करने की ताकत दे। अफसरों को महज नियम-कायदों का पालन सुनिश्चित करने की भूमिका से बाहर निकलकर विकास और प्रगति का अवसर उपलब्ध कराने वाला बनना होगा। लगभग 40 मिनट के अपने संबोधन में पीएम अफसरों को ज्यादातर नसीहत देने वाले अंदाज में दिखे। उन्होंने आकांक्षी भारत समाज की आवश्यकताओं को रेखांकित किया, युवाओं, किसानों और महिलाओं के सपनों की बात रखी और यह बताया कि उनकी सरकार ने 11 वर्षों में किस तरह योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है। सामूहिक प्रयास और प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पीएम ने हर किसी से हर दिन, हर क्षण विकसित भारत के साझा स्वप्न को साकार करने के लिए अनथक मेहनत करने की अपील की। पीएम के अनुसार असाधारण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए असाधारण रफ्तार से काम करना होगा। दुनिया में तेजी से हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि परिवारों के भीतर भी हम पाते हैं कि दस साल का बच्चा बड़ों को यह अहसास करा देता है कि वे पुराने पड़ चुके हैं। परिवर्तन की इस तेज रफ्तार का मुकाबला करते हुए लक्ष्य तक पहुंचना तभी संभव है जब हर क्षेत्र में तकनीक के उन्नयन के साथ पूरी प्रतिबद्धता से काम हो। पीएम ने खास तौर पर ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, खेलों में प्रगति और अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रगति को भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के रूप में गिना। समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित प्रशासनिक अफसरों पर बड़ी जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए पीएम ने उनसे किसी भी तरह की देरी से बचने का आग्रह किया। इस साल सिविल सर्विस डे समारोह की थीम होलिस्टिक डेवलपमेंट आफ इंडिया थी। मोदी ने इसे एक प्रतिबद्धता और लोगों से किया गया वादा बताया। उनके अनुसार होलिस्टिक डेवलपमेंट की दृष्टि में हर घर में स्वच्छ जल, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव में डिजिटल इकोनमी शामिल है।

पीएम ने कहा शासन की गुणवत्ता योजनाओं की शुरुआत नहीं है, बल्कि इसमें है कि ये योजनाएं किस हद तक लोगों तक पहुंचती हैं और उन्हें कितना प्रभावित करती हैं। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार अब अगली पीढ़ी के सुधारों, तकनीकी प्रगति और नए तौर-तरीकों पर फोकस कर रही है ताकि सरकार और लोगों के बीच अंतर को कम किया जा सके।

मिशनरी-वामपंथी कर

पहली बार वोटर बने। अब हर गांव में सड़क है, हर घर में बिजली है, सभी को मकान मिले हैं। आंगनबाड़ी केंद्र खुले हैं, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र बन रहे हैं। राशन, आयुष्मान योजना, पेंशन समेत हर सुविधा इन तक पहुंच चुकी है। सीएम योगी ने कहा, हमें आभार प्रकट करना चाहिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, नानाजी देशमुख जी और अपने पूज्य गुरुदेव महंत अवैद्यनाथ का। उन्होंने बच्चों के लिए छात्रावास और स्कूल की व्यवस्था कराई। उन्होंने कहा, नेपाल में माओवादी और मधेशियों के बीच भीषण संघर्ष हुआ तो मैंने हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी से हालात की जानकारी ली थी। तब समझ में आया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संघ और उससे जुड़ी संस्थाएं कैसे काम कर रही हैं। सीएम ने बताया कि यह यात्रा कोरोना महामारी के दौरान भी जारी रही। इंसेफेलाइटिस, चर्म रोग, टीबी जैसी बीमारियों के लिए वहां लोगों को न दवा मिलती थी, न जानकारी। हमने डाटा जुटाया, रात-रात रुक कर स्वास्थ्य सेवाएं दीं, पौष्टिक आहार की व्यवस्था कराई। अब लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। समारोह के अंत में सीएम योगी ने यात्रा से जुड़े सभी स्वयंसेवकों, पदाधिकारियों और सेवा न्यास को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह यात्रा केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकात्मता की यात्रा है। यह हमें जगतगुरु शंकराचार्य की याद दिलाती है। जब यात्राओं के माध्यम से जनजागरण का कार्य हुआ करता था। आज यह कार्य भारत-नेपाल सीमा पर हो रहा है। यह यात्रा चलती रहनी चाहिए और सबका अभिनंदन होना चाहिए।

दुबई से लौटे

दोनों के बीच बाधा बन रहा था। इसलिए भांजे के साथ मिलकर पति को मार डाला। आरोपी भांजा रुमान फरार है। नौशाद और राजिया की 6 साल की एक बेटी आतिफा है। वारदात के बाद पिता मन्नू अहमद का रो-रोकर बुरा हाल है। वह कह रहे हैं कि बहू के चक्कर में उनका पूरा परिवार खत्म हो गया। नौशाद दुबई में ड्राइवर था। वह 10 दिन पहले ही घर आया था। वहीं, मृतक की बहन निशा का कहना है- मेरे भाई दुबई रहते थे। एक सप्ताह पहले आए थे। उनको फिर वापस जाना था। लेकिन, उससे पहले हत्या हो गई। भाभी का उसके सगे भांजे से अफेयर था। दोनों ने मिलकर मेरे भाई की हत्या की है। जान से मारकर, सूटकेस में भरकर फेंक दिया। इसके बाद हम लोगों को पता चला। इन दोनों की फांसी की सजा हो।

एक करोड़ के

एक इंसास राइफल बरामद की है। अभी तक जवानों के घायल होने की कोई खबर नहीं है। रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। बताया गया कि सीआरपीएफ और पुलिस बल की संयुक्त टीम ललपनिया थाना क्षेत्र के लुगू पहाड़ और उसकी तराई वाले जंगली इलाके में सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान जंगल में छिपे नक्सलियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग की। सर्च ऑपरेशन में '209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) और झारखंड पुलिस के जवान शामिल हैं। झारखंड में इस वर्ष पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में अब तक 13 नक्सली मारे गए हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों ने इस वर्ष तक झारखंड को पूरी तरह नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। झारखंड पुलिस की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, वर्ष 2024 में पुलिस ने 244 नक्सलियों को गिरफ्तार किया था, जबकि पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में नौ नक्सली मारे गए। 24 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला लिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में चार जोनल कमांडर, एक सब जनरल कमांडर और तीन एरिया कमांडर शामिल थे।

भाजपा ने राहुल

मामले में राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी दोनों सलाखों के पीछे जाएंगे। पात्रा ने कहा, ''आप देशद्रोही हैं, सिर्फ इसलिए नहीं कि आपने विदेशी धरती पर भारतीय संस्थाओं और भारतीय लोकतंत्र का अपमान किया है बल्कि इसलिए भी कि आपने और आपकी मां ने 'नेशनल हेराल्ड मामले में देश के करोड़ों रुपये का गबन किया है। आप और आपकी मां इससे बच नहीं पाएंगे। ईडी ने हाल में 'नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ नयी दिल्ली की एक विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें उन पर कथित तौर पर 988 करोड़ रुपये के धन शोधन का आरोप लगाया गया है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत नौ अप्रैल को दायर अभियोजन पक्ष की शिकायत में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को आरोपी नंबर एक और उनके बेटे तथा सांसद राहुल गांधी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया गया है।

सिविल सेवाओं में

उद्योग, व्यापार, व्यवसाय और वाणिज्य के चुनिंदा लोगों के साथ गठबंधन करते हैं, तो इससे पूरी व्यवस्था कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि यह संघीय व्यवस्था के लिए भी बेहद खतरनाक है। धनखड़ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे उच्चतम मानकों का उदाहरण स्थापित करेंगे और पारदर्शिता और जवाबदेही लाएंगे। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और खनिज, वस्त्र, हस्तशिल्प, सेवा उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा में मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में राजस्थान की प्रगति की विभिन्न संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजस्थान सेवा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के विकास के लिए एक प्राकृतिक क्षेत्र है, फिर भी ग्रीनफील्ड परियोजनाएं नहीं आ रही हैं। धनखड़ ने फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) जैसे संगठनों से राज्य के उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर केंद्रित थिंक-टैंक स्थापित करने का आह्वान किया। जयपुर को विश्व स्तरीय शहर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सेवाओं और आईटी उद्योगों के केंद्र के रूप में अधिक ध्यान, विकास और मान्यता का हकदार है। उन्होंने कहा कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण जीवन और भोजन प्रदान करने की क्षमता है।

अवमानना याचिका के

राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकते। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं। दूसरी ओर, जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में मुर्शिदाबाद हिंसा से जुड़ी दूसरी याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें वकील ने मुर्शिदाबाद हिंसा के चलते लोगों के पलायन की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने वकील से सवाल किया कि आपकी इस सूचना का सूत्र क्या है, क्या आपने खुद जांच की थी। इस पर वकील ने जवाब दिया- मीडिया रिपोर्ट्स।कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने पर 17 अप्रैल को आदेश सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस राजा बसु चौधरी की बेंच नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई कर रही है।जिले के संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बलों की 17 कंपनियां तैनात हैं। सुवेंदु अधिकारी ने अपील की है कि विस्थापित लोगों की उनके घरों में वापसी के लिए राज्य सरकार की तरफ से कदम उठाए जाने के निर्देश दिए जाएं।इससे पहले हाईकोर्ट ने सुझाव दिया था कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे।

हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा के विरोध में प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। संशोधित वक्फ अधिनियम की आड़ में पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के खिलाफ हुयी हिंसा के खिलाफ आज यहां सरदार पटेल प्रतिमा, जीपीओ पार्क में हिन्दुवादी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और वहां की मौजूदा राज्य सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन की मांग की। कार्यक्रम के मुताबिक हिन्दूवादी नेता ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में आज अपराह्न दो बजे जीपीओ पार्क स्थित पटेल प्रतिमा पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा, अखिल भारत हिन्दू त्रिदंडी महासभा एवं हिन्दु सुरक्षा सेवा संघ के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र होकर पश्चिम बंगाल के खासकर मुर्शिदाबाद में हुये हिन्दू नरसंहार के विरोध में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

विश्व स्तरीय विकास मॉडल से भव्य बनेगा अयोध्या

125.69 करोड़ से अयोध्या के छह प्रमुख प्रवेश द्वारों पर बनेंगे भव्य गेट

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग आगंतुकों की सुविधाओं के लिए छह प्रमुख प्रवेश द्वारों पर गेट कॉम्प्लेक्स तैयार कर रहा है, जहां एक ही परिसर में कई अत्याधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। इन गेट कॉम्प्लेक्स में यात्री निवास, स्टार रेटेड व बजट होटल, पर्यटन सूचना केंद्र, कला एवं शिल्प दीर्घाएं, शॉपिंग एरिया, कैफेटेरिया और अन्य आवश्यक सुविधाएं होंगी। यह गेट पीपीपी मॉडल पर बनाये जायेगे, इसकी लागत 125.69 करोड़ रूपये आयेगी।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन अयोध्या में बढ़ती पर्यटक संख्या को देखते हुए वहां के पर्यटन ढांचे को आधुनिक रूप देने जा रहा है। श्रीराम की जन्मस्थली सांस्कृतिक वैभव की प्रतीक अयोध्या ऐतिहासिक रूप से सभी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए यादगार होगा। राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या वैश्विक मंच पर एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। ये द्वार श्री राम द्वार लखनऊ रोड लक्ष्मण द्वार गोंडा रोड भरत द्वार सुल्तानपुर रोड हनुमान द्वार गोरखपुर रोड जटायु द्वार अम्बेडकर नगर रोड और गरुड़ द्वार रायबरेली रोड शहर के प्रमुख मार्गों पर स्थापित किए जा रहे हैं। परियोजना एक मास्टर प्लान के अंतर्गत क्षेत्र-आधारित योजना दृष्टिकोण पर आधारित है। गेट कॉम्प्लेक्स के भीतर भूखंड पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए आवंटित किए जाएंगे। इसका विकास निजी निवेशकों द्वारा बुनियादी ढांचे के साथ किया जाएगा। गेट कॉम्प्लेक्स में यात्री निवास, स्टार रेटेड और बजट होटल, पर्यटन कार्यालय, कला और शिल्प दीर्घाएं, शॉपिंग एरिया, कैफेटेरिया, एम्फीथिएटर और हरित सार्वजनिक स्थल भी विकसित होंगे। सड़कें, बिजली और जल आपूर्ति, समर्पित पावर स्टेशन, जल शोधन संयंत्र और सुरक्षा प्रणाली सुनिश्चित की जाएंगी। अयोध्या केवल आस्था का नगर नहीं बल्कि भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। राज्य सरकार अयोध्या को विश्व स्तरीय ढांचे और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर एक वैश्विक आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य अयोध्या की धार्मिक महत्ता के साथ उसकी सांस्कृतिक धरोहर को भी वैश्विक मंच पर स्थापित करना है।

- गेट कॉम्प्लेक्स में यात्री निवास स्टार रेटेड व बजट होटल, पर्यटन सूचना केंद्र, कला एवं शिल्प दीर्घाएं, शॉपिंग एरिया, कैफेटेरिया और अन्य आवश्यक सुविधाएं होंगी

काशी की सभ्यता से परिचित होंगे विदेशी मेहमान, यूपी पर्यटन विभाग ने किया आमंत्रित : उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की पहल पर 22 से 30 अप्रैल तक एक विशेष फैमिलियराइजेशन ट्रिप (फैम ट्रिप) आयोजित की जा रही है। भारत सहित यूके, यूएस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख पर्यटन व्यवसायियों का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश भ्रमण पर आ रहा है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल चंबल से काशी तक भ्रमण करेंगे। वाराणसी पर्यटन उपनिदेशक आरके रावत ने कहा 22 अप्रैल को इस दल के भ्रमण की शुरुआत आगरा से होगी, जहां वे बटेश्वर और चंबल सफारी का अनुभव लेंगे। इसके बाद यह इत्र नगरी कन्नौज पहुंचेंगे, जहां इत्र निर्माण पर आधारित एक विशेष कार्यशाला भी होगी। कन्नौज की विश्व प्रसिद्ध इत्र परंपरा और उसकी बारीकियों को करीब से जानेंगे।उन्होंने बताया कि लखनऊ के बाद प्रतिनिधियों को प्रयागराज की फैम ट्रिप कराई जाएगी। जहां वे संगम तट, ऐतिहासिक स्थलों और प्रसिद्ध फार्म स्टे प्लांट बंग्लो का दौरा करेंगे। अंत में यह दल काशी पहुंचेगा। जहां वे काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन, गंगा आरती, सुबह ए बनारस, स्थानीय आर्ट एंड क्राफ्ट और पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। यह दल 29 अप्रैल को काशी पहुंच जायेगा।

वाराणसी पर्यटन उपनिदेशक आरके रावत ने कहा काशी के खान-पान, सभ्यता, सांस्कृतिक से मेहमानों को रू-ब-रू कराने के लिए व्यवस्थाएं की जा रही है। सभी स्थानों को चिन्हित किया गया है प्रसिद्ध व्यंजनों की भी व्यवस्था की जाएगी जिससे वह यहां के स्वाद को चख सके। इसके आलावा सभी डेलिगेट्स को सारनाथ के भ्रमण कराने की योजना बनाई जा रही है। वहीं इससे पहले पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन किलों, महलों और हवेलियों के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक भोजन और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इन स्थलों के आसपास के गांवों को भी गोद लेकर उनका समग्र विकास किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद केवल ऐतिहासिक इमारतों को संजोना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक उपयोग में लाकर राज्य की अर्थव्यवस्था को भी गति देना है। जयवीर सिंह ने कहा कि इन धरोहरों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। इनमें पर्यटन सुविधाओं के साथ-साथ कॉन्फ्रेंस सेंटर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं।

इस योजना में झांसी का टहरौली किला, महोबा का मस्तानी महल और सेनापति महल, ललितपुर का बालाबेहट किला, बांदा का रंगगढ़ किला, गोंडा की वजीरगंज बारादरी और लखनऊ का आलमबाग भवन, गुलिस्तान-ए-इरम व दर्शन विलास शामिल हैं। ये सभी स्थल अपने ऐतिहासिक महत्व और स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध हैं। पहले चरण में विभाग पहले ही कई ऐतिहासिक स्थलों को निजी निवेशकों के सहयोग से विकसित कर रहा है। इनमें बरुआसागर किला (झांसी), चुनार किला (मिर्जापुर), लखनऊ की छतर मंजिल व कोठी रोशन-उद-दौला, और कानपुर देहात की बारादरी जैसी इमारतें शामिल हैं। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए बुंदेलखंड और अन्य क्षेत्रों के ऐतिहासिक स्थलों का पुनरुद्धार किया जाएगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और राज्य की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

देश-विदेश डायरी

चीन ने अमेरिका को दिया एक और झटका अब अधिकारियों पर लगाए प्रतिबन्ध

हांगकांग, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार जारी है। दोनों देश एक दूसरे पर भारी टैरिफ लगा रहे हैं। इसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर देखने को मिल रहा है। इस बीच चीन एक बड़ा एलान किया है। दरअसल, चीन के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि चीन उन अमेरिकी अधिकारियों, सांसदों और गैर-सरकारी संगठनों के नेताओं पर प्रतिबंध लगाएगा, जिनके बारे में उसका कहना है कि उन्होंने हांगकांग के मुद्दों पर खराब प्रदर्शन किया है। जानकारी दें कि इसी साल मार्च के महीने में अमेरिका ने छह चीनी और हांगकांग अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिन पर आरोप था कि वे अंतरराष्ट्रीय दमन में शामिल थे और शहर की स्वायत्तता को और अधिक नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों में शामिल थे। जिन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था उनमें न्याय सचिव पॉल लैम, सुरक्षा कार्यालय निदेशक डोंग जिंगवेई और पूर्व पुलिस आयुक्त रेमंड सिउ शामिल थे। अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में चीन ने कहा कि हम इन कृत्यों की कड़ी निंदा करते हैं। चीनी विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने हांगकांग के मामलों में गंभीर रूप से हस्तक्षेप किया है और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि चीन ने हांगकांग से संबंधित मुद्दों पर खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और एनजीओ नेताओं पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रतिक्रिया विदेशी प्रतिबंध विरोधी कानून के अनुसार की गई है। हालांकि उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी कि किसे निशाना बनाया जा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के बाद यह स्पष्ट है कि अमेरिका और चीन के बीच हांगकांग मुद्दे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ सकता है।

टैरिफ वॉर के बीच चीन की दूसरे देशों को धमकी : चीन ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील साइन करने वाले देशों को चेतावनी दे दी है। चीन का कहना है कि इस तरह के समझौते से बीजिंग को नुकसान हो सकता है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच टैरिफ युद्ध में उसकी बयानबाजी और तेज हो गई है। चीन की यह चेतावनी ट्रंप प्रशासन की उन देशों पर दबाव बनाने की योजना के बारे में रिपोर्ट के बीच आई है जो अमेरिका से टैरिफ वार्ता की मांग कर रहे हैं ताकि चीन के साथ व्यापार को रोका जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के बाकी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, चीन को कई उत्पादों पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क देना पड़ रहा है। बीजिंग ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर 125 प्रतिशत शुल्क लगाकर जवाब दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि कई देश अब टैरिफ कम करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं। लेकिन सोमवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह अमेरिका के साथ व्यापक आर्थिक सौदे करने वाले अन्य देशों का दृढ़ता से विरोध करता है जो उसके हितों से समझौता करते हैं। बीजिंग के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, तुष्टिकरण से शांति नहीं आएगी और समझौते का सम्मान नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी कि यह दृष्टिकोण अंततः दोनों तरफ से विफल होगा और दूसरों को नुकसान पहुंचाएगा। मंत्रालय ने आगे कहा कि अगर ऐसा कोई समझौता किया जाता है, तो चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और इसका दृ?ता से और उसी तरह से जवाब देगा। इसका मतलब है कि चीन भी वैसे ही कदम उठाएगा जैसे अमेरिका ने उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ हमले के कारण वाशिंगटन और बीजिंग ने एक-दूसरे से आयात पर भारी शुल्क लगा दिया है, जिससे आर्थिक महाशक्तियों के बीच गतिरोध बढ़ गया है, जिससे वैश्विक मंदी की आशंका बढ़ गई है और बाजारों में उथल-पुथल मच गई है।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका की बड़ी एयर स्ट्राइक, 12 की मौत और 30 घायल

दुबई, चसं। यमन के हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने बड़ी एयरस्ट्राइक की है। यमन की राजधानी सना में विद्रोहियों को निशाना बनाया गया है। सोमवार को हूती विद्रोहियों ने जानकारी दी है कि अमेरिकी हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमान ने हमलों की पुष्टि नहीं की है। हूती विद्रोहियों के मुताबिक अमेरिका ने यह हमला सना के शूब जिले के फरवा पड़ोस के बाजार पर किया है। अमेरिकी सेना पहले भी इस क्षेत्र में हमलों को अंजाम दे चुकी है। सोमवार को रातभर अमेरिका ने हमले किए। यमन के अन्य हिस्सों को भी निशाना बनाया। पिछले सप्ताह अमेरिका ने यमन के रस ईसा ईंधन बंदरगाह पर एयर स्ट्राइक की थी।

एक राष्ट्र, एक चुनाव देश की आवश्यकता : धर्मपाल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने संगठनात्मक बैठकों में पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। धर्मपाल सिंह ने सीतापुर जिला कार्यालय में बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियों, लहरपुर विधानसभा के मंडल अध्यक्षों व शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ ही लहरपुर विधानसभा के अनुसूचित मोर्चा के पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच आगामी विधानसभा चुनाव की विजय रणनीति पर चर्चा की।प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा अनवरत कार्य करने वाला राजनैतिक दल है। जहां एक ओर सपा, बसपा व कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों के कार्यकर्ता, पदाधिकारी व नेता सिर्फ चुनाव के समय सक्रिय होते है। भाजपा सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यों तथा जनसरोकार से जुडेघ् कार्यों के साथ अहर्निश जनता के बीच रहकर कार्य करती है। भाजपा विचार आधारित दल है,जबकि विपक्षी दल परिवार आधारित व जाति आधारित दल है। यही कारण भाजपा को अन्य दलों से अलग करते हैं और भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बनाते है। भाजपा कार्यकर्ता अथक परिश्रम का पर्याय है।

भाजपा जनसरोकार व जन-जागरण के अभियानों को कार्यकर्ताओं के परिश्रम से लोकव्यापी बनाने में सफल होती है। एक राष्ट्र-एक चुनाव देश की आवश्यकता है, जो राष्ट्र को राजनैतिक स्थिरता के साथ आर्थिक समृद्ध और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा। वक्फसुधार जन-जागरण अभियान के माध्यम से हमें वक्फकानून के नाम पर देश में कांग्रेस द्वारा दी गई लूट की छूट का पर्दाफाश करना है। वक्फसंशोधन अधिनियम-2025 से पसमांदा मुसलमानों व मुस्लिम महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार का संकल्प अल्पसंख्यक वर्ग के साथ सभी वर्गों के बीच पहुंचाने का काम करना है।संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव आम्बेडकर सम्मान अभियान के माध्यम से जिला स्तर पर गोष्ठियां आयोजित की जा रही है। गोष्ठियों के माध्यम से हमें बाबा साहेब के प्रेरक जीवन के साथ ही भाजपा द्वारा बाबा साहेब के सम्मान में किए गए कार्यों तथा कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों द्वारा बाबा साहेब के विरूद्ध किए गए षड़यंत्र को भी जनमानस के बीच पहुंचाने का काम करना है।बीजेपी की मजबूत बूथ संरचना किसी भी चुनाव को जीतने में सक्षम है। भाजपा कार्यकर्ताओं के सामर्थ्य से केन्द्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार है। जो अन्त्योदय के मार्ग पर चलते गरीब और वंचित वर्ग की आर्थिक व सामाजिक उन्नति के लिए काम कर रही है। हमें अपनी मजबूत बूथ संरचना से मजबूत व्यूह रचना तैयार करना है। जो विपक्ष के हर भ्रम और झूठ को समाप्त करने के लिए बूथ पर लगातार सम्पर्क व संवाद करेगी और प्रत्येक बूथ पर भाजपा की विजय का परचम फहराएगी। सभी मोर्चों को भी बूथ पर मजबूत करते हुए मेरा बूथ-सबसे मजबूत के संकल्प के साथ काम करना है।

18 करोड़ की भूमि अतिक्रमण मुक्त

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मण्डलायुक्त लखनऊ मण्डल और नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह के निर्देश पर लखनऊ नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत आज ग्राम नटकुर, तहसील सरोजनी नगर में एक बड़ी कार्रवाई की गई।

इस कार्यवाही के तहत कुल 1.381 हेक्टेयर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया, जो मुख्य सड़क के किनारे स्थित है और अत्यंत मूल्यवान मानी जाती है। इस भूमि की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इस अभियान का नेतृत्व अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव द्वारा गठित विशेष टीम ने किया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम नटकुर की कई सरकारी भूमि गाटों पर स्थानीय लोगों और कुछ प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा अवैध प्लॉटिंग, अस्थायी पिलर, सड़क निर्माण, नींव भरने और बाउंड्रीवॉल बनाकर कब्जा किया जा रहा है। ये सभी भूमि राजस्व रिकॉर्ड में ऊसर और नवीन परती के रूप में दर्ज हैं और नगर निगम की संपत्ति के रूप में दर्ज हैं। प्रभारी अधिकारी सम्पत्ति संजय यादव के निर्देशन में तहसीलदार अरविन्द पांडेय द्वारा गठित टीम ने मौके पर पहुँचकर कार्यवाही की। इस टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार श्री रत्नेश कुमार ने किया। नगर निगम के राजस्व निरीक्षक श्री अविनाश चन्द्र तिवारी, लेखपाल सन्दीप यादव, अनुपम मिश्रा तथा राजस्व लेखपाल श्री विजय प्रताप बहादुर सिंह ने मिलकर पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। साथ ही, बिजनौर थाने से प्राप्त पुलिस बल और नगर निगम की ईटीएफटीम ने भी कार्य में सहयोग किया। भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के दौरान कुछ स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किया गया, लेकिन

- ग्राम नटकुर, तहसील सरोजनी नगर में बड़ी कार्रवाई

पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में यह कार्यवाही शांतिपूर्ण तरीके से पूरी कर ली गई। मौके पर जेसीबी मशीन की मदद से अवैध निर्माणों को हटाया गया। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जो भी व्यक्ति या संस्था सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने या उसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेगी, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान से प्रशासन ने एक सख्त संदेश दिया है कि सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। स्थानीय जनता द्वारा प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, 35 झुग्गियां हटाई : नगर आयुक्त के स्पष्ट आदेश के अनुपालन में नगर निगम जोन-2 द्वारा अतिक्रमण के विरुद्ध एक सघन अभियान चलाया गया। क्षेत्रीय पुलिस की उपस्थिति में वार्ड ऐशबाग अंतर्गत गोपीनाथ रस्तोगी इंटर कॉलेज के बाहर से लेकर गूंगा बहस स्कूल तक नाले पर 3.30 घंटे तक अवैध रूप से बनी झुग्गियों को हटाने की कार्यवाही की गई।

इस अभियान के तहत नगर निगम ने कुल 35 अवैध झुग्गियों को हटाया। ये झुग्गियां वर्षों से नाले के ऊपर अतिक्रमण कर बनाई गई थीं, जिससे न केवल नाले की सफाई व जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि क्षेत्र में गंदगी और जलजमाव की समस्या भी बनी हुई थी। साथ ही, आग लगने या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में स्थानीय निवासियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना हुआ था।उक्त अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी सुश्री शिल्पा कुमारी ने किया, जिनके निर्देशन में यह कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं सुनियोजित ढंग से सम्पन्न की गई। अभियंत्रण विभाग जोन-2 के अवर अभियंता (जेई) उमेश पाल सिंह एवं वार्ड 296 की पूरी टीम ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस दौरान एसआई जय किशन द्विवेदी व उनकी पुलिस टीम भी मौजूद रही। नगर निगम की टीम ने पहले से ही सभी झुग्गीवासियों को नोटिस जारी कर उचित समयावधि में स्थान खाली करने का निर्देश दिया था। कार्यवाही के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली संवेदनशीलता व विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत रही। अभियान स्थल पर पुलिस बल की तैनाती के चलते शांति व्यवस्था बनी रही और स्थानीय लोगों ने भी सकारात्मक सहयोग किया।नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने की यह प्रक्रिया आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी और सार्वजनिक संपत्ति पर किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नाले, सड़क एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें तथा नगर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग करें।

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यूपी एटीएस ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने खतरनाक साजिश का खुलासा करते हुए बताया कि अल मौत उल हिंद नामक एक ग्रुप सिग्नल मोबाइल एप पर सक्रिय था। इस ग्रुप के जरिए देश में बड़े आतंकी हमले की प्लानिंग चल रही थी। इस ग्रुप में युवाओं को आतंकी ट्रेनिंग से जुड़े वीडियो भेजे जाते थे और उन्हें कट्टरपंथ की ओर प्रेरित किया जा रहा था। एटीएस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कई जगह छापेमारी की। इस आतंकी हमले की प्लानिंग में यूपी के संभल जिले और बिहार के कुछ संदिग्ध युवक शामिल थे। बता दें कि यूपी एटीएस की मुरादाबाद यूनिट ने लखनऊ के एटीएस थाने में इस पूरे मामले को लेकर मुकदमा दर्ज कराया था। मिली जानकारी के मुताबिक, सिग्नल मोबाइल एप पर सक्रिय इस ग्रुप से 100 से ज्यादा युवक जुड़े हुए थे। इन सभी के माध्यम से वॉट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे कई अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी समान विचारधारा वाले ग्रुप बनाए गए थे। एटीएस द्वारा की गई पूछताछ में सामने आया कि इन ग्रुप्स में भारत के साथ साथ फिलिस्तीन के युवक भी जोड़े जा रहे थे। युवाओं को भड़काने के लिए ग्रुप में भारत और इजराइल में मुस्लिमों के कथित उत्पीड़न की झूठी कहानियां साझा की जा रही थीं।

जर्मनी में सम्मानित हुए डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ होम्योपैथिक चिकित्सा आदर्श त्रिपाठी को जर्मनी स्विट्जरलैंड पेरिस और फ्रांस में जटिल एवं असाध्य रोगों को ठीक करने के लिए अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस ऐतिहासिक सम्मेलन में पूरे विश्व से लगभग 125 होम्योपैथिक चिकित्सकों का चयन किया गया था जर्मनी के कोठे शहर में जन्मे होम्योपैथिक चिकित्सा के जनक डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस पर वर्ल्ड होम्योपैथिक समिट का आयोजन बर्नेट होम्योपैथिक प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में किया गया था। सम्मेलन में होम्योपैथी के क्षेत्र में आधुनिक शोध अनुभव और वैश्विक जानकारी को साझा करते हुए विशेषज्ञों ने चिकित्सा जगत में एक नई ऊर्जा का संचार किया। इस आयोजन में यूरोप अमेरिका एशिया ऑस्ट्रेलिया और भारत के ख्याति प्राप्त शोध करता प्रोफेसर और चिकित्सा शामिल हुए जिनमें प्रमुख नाम डॉक्टर लारी ग्रास मैन,(यूं एस ए) प्रोफेसर रोनाल्ड मूर (यूके) प्रोफेसर बार्ली डी प्रेटास बुची (ब्राजील) डॉक्टर पोर्टिया ब्रेनब्लैट (यूं एस ए) डॉ मोनिका डॉक्टर वैसना (सर्बिया) सभी चिकित्सकों और शोधकर्ताओं ने जटिल और असाध्य रोगों के शोधों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किया। डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी को पहले भी 6 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ त्रिपाठी ने त्वचा रोग, पथरी रोग , डायलिसिस किडनी रोग, लीवर रोग, गठिया रोग, निसंतान रोगियों का इलाज होम्योपैथी से किया है। डॉ आदर्श त्रिपाठी ने विदेशों के संस्मरण अपने अनुभव साझा किया और उन्होंने कहा आज मैं जिस ऊंचाई पर हूं मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। कि होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में कभी इतनी सफलता मिलेगी। ऑल इंडिया न्यूज पेपर एसोसिएशन द्वारा गोमती नगर स्थित एफिल क्लब में आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी को होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और जटिल, असाध्य रोगों को ठीक करने के लिए सम्मानित किया गया।

अपर मुख्य सचिव अनुराग प्राइम मिनिस्टर अवॉर्ड से सम्मानित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- डीएम मोनिका रानी को भी मिला पीएम अवॉर्ड

लखनऊ। 17 वें सिविल सर्वेंट दिवस के मौके पर सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव को प्राइम मिनिस्टर अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन से सम्मानित किया। अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव को भारत सरकार द्वारा इनोवेशन स्टेट की कैटेगरी में वर्ष-2023 के लिए सम्मानित किया गया।

1992 बैच के आईएएस अफसर अनुराग श्रीवास्तव को यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का अभिनव प्रयोग के लिए दिया गया। नई दिल्ली में हुए कार्यक्रम के दौरान मुरादाबाद के डीएम अनुज सिंह को दिव्यांगों के लिए लाइब्रेरी बनाने और बहराइच डीएम मोनिका रानी को प्रशासनिक कार्यों के लिए प्राइम मिनिस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं। जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है। जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा। यह पुरस्कार देश भर के उन चंद चुनिंदा आईएएस अफसरों को दिया जाता है, जो उत्कृष्ट कार्य करते हैं।